माघ शुक्ल पक्ष-6, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 256 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 मार्च 2024 शुक्रवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

दोपहर मेट्रो

बेबाक खबर हर दोपहर

Page- 7

महीने की *पहली तारीख* वाले बदलाव आज से लागू

नई दिल्ली, एजेंसी।

आजकल हर महीने की पहली तारीख को देश में कई बदलाव होने लगे हैं। जो रोजमर्रा की जरूरतों के लिये काफी अहम होते हैं। इसीलिये आज भी 1 मार्च से भी कुछ नये बदलावा प्रभावी हो गये हैं। यह घर की रसोई के बजट से लेकर सड़क पर गाड़ी चलाने तक से संबंधित हैं। आज एलजीपी गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। तो फास्टैग केवायसी की लास्ट डेट खत्म हो गई है।

पहला बदलाव : सिलेंडर की कीमत बढ़ी

हर महीने नया नियम नई कीमतें

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आज 1 मार्च से कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत एक बार फिर से बढ़ा दी है। मतलब मार्च के पहले दिन महंगाई का जोरदार झटका लगा है। ये लगातार दूसरा महीना है, जबकि 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। यह इजाफा करीब 25 रूपबये का है। मगर 14 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

दूसरा बदलाव: फास्टैग डेडलाइन खत्म

सड़क पर वाहन दौड़ाने वालों के लिए भी बदलावा के तहत नेशनल हाइवे अथॉरिटीज ऑफ इंडिया ने फास्टैग की केवाईसी अपडेट करने की आखिरी तारीख 29 फरवरी तय की थी इसे बढाया नहीं गया है। एनएचएआई फास्टैग केवाईसी अपडेट की डेडलाइन को और आगे बढ़ाता है या फिर केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर नेशनल हाइवे अथॉरिटीज ऑफ इंडिया की ओर से इसे डिएक्टिवेट और ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है।

जीएसटी के नए नियम: जीएसटी नियमों के बदलाव के तहत अब 5 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करने वाले व्यापारी बिना ई-चालान के ई-वे बिल जारी नहीं कर पाएंगे। यानि जिन कारोबारियों का सालाना टर्नओवर 5 करोड़ रुपये से अधिक है, ऐसे व्यवसायी सभी क्र2क्लेनदेन के लिए ई-चालान विवरण शामिल किए बिना ई-वे बिल जारी नहीं कर सकेंगे।

एसबीआई क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियम: एसबीआई ने क्रेडिट कार्ड के नियमों में बदलाव किया है। नए नियम इस महीने की 15 मार्च से लागू हो जाएंगे. इसके तहत एसबीआई अपने मिनिमम डे बिल कैलकुलेशन के नियम में बदलाव करने वाला है। हालांकि, इसकी डिटेल जानकारी यूजर्स को एसबीआई द्वारा मेल के माध्यम से दी जाएगी.

विकास दर की छलांग का असर: शेयर बाजार पर

नई दिल्ली। भारतीय इक्विटी सूचकांक शुक्रवार को लाभ के साथ कारोबार करते दिखे। उम्मीद से अधिक तेजी से घरेलू आर्थिक विकास और इन-लाइन अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने बाजार की मजबूती को बढ़ावा दिया। सुबह बीएसई सेंसेक्स 600 अंकों की तेजी के साथ 73,109 पर कारोबार करता दिखा। बाद में सेंसेक्स 73,574 और निफ्टी 22,304 पर पहुंचा गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, मारुति, जेएसडब्ल्यू स्टील और पावर ग्रिड लाभ में रहे जबकि सनफार्मा, इन्फोसिस, नेस्ले इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर गिरावट के साथ खुले। ज्ञात हो कि भारत की अर्थव्यवस्था 2023 के अंतिम तीन महीनों में उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत बढ़ी -जो डेढ़ साल में सबसे तेज गति है।

उज्जैन में विक्रमोत्सव 2024 की शुरूआत, देश-विदेश के तीन हजार उद्यमी जुटे

इंडस्ट्री कॉन्क्लेव: आध्यात्मिक नगरी में रखी गई *औद्योगिक बुनियाद*

उज्जैन/भोपाल, दोपहर मेट्रो।

धार्मिक व पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर उज्जैन में आज से विक्रमोत्सव 2024 की शुरूआत हुई। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसके तहत दो दिवसीय क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन व 40 दिवसीय विक्रमोत्सव और व्यापार मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि आज हम विक्रमादित्य को नए अवसर पर नए उद्देश्यों के साथ याद कर रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वर्चुअली संबोधन में उज्जैन के प्राचीन इतिहास और व्यापारिक महत्व को रेखांकित किया।

इस उत्सव में 9 अप्रैल तक कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा तथा भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता के संग्रहालय 'वीर भारत न्यास' का शिलान्यास भी पहले दिन किया जा रहा है। खास बात यह है कि आज पहली बार पहली तारीख को सरकार ने लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली राशि का ऑनलाइन अंतरण भी किया। अब तक यह किश्त महीनी की 10 तारीख को मिलती रही है। सरकार ने आज 1.29 करोड़ महिलाओं को करीब 1576 करोड़ की राशि भेजी है।

उल्लेखनीय है कि अब तक इंदौर में होती आई इंवेस्टर्स समिट के क्रम में उज्जैन नया नाम है। इस समिट का मुख्य कार्यक्रम कल होगा, जिसमें करीब एक लाख करोड़ के निवेश के करार होने की

संभावना हैं। इसमें तीन हजार उद्यमियों एवम व्यापारियों संग यूएसए, फिजी, मंगोलिया सरकार के प्रतिनिधि, जापान और जर्मन के बिजनेस प्रतिनिधियों के शामिल हो रहे हैं। आज पहला दिन रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव का है। इसमें 169 उद्योगपतियों को करीब सात हजार करोड़ की जमीन का आवंटन भी किया जा रहा है। इसी प्रकार उज्जयिनी विक्रम व्यापार मेले में वाहनों के रजिस्ट्रेशन में पचास फीसद छूट का ऐलान किया गया है।

मुख्यमंत्री यादव ने आज उज्जैन-इंदौर में लगने जा रहे खाद्य प्रसंस्करण, प्लास्टिक, फार्मास्यूटिकल, मेडिकल डिवाइसेस, टेक्निकल टेक्सटाइल समेत 17 उद्योगों का भूमि पूजन किया व नए 8 उद्योगों का लोकार्पण भी हुआ। उन्होंने कोठी महल में खुलने जा रहे वीर भारत संग्रहालय का वर्चुअल शिलान्यास किया, साथ ही भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केंद्रित काफी टेबल बुक 'आर्ष भारत एवं विक्रम पंचांग' (विक्रम सम्वत् 2081) का लोकार्पण भी हुआ।

पेटीएम और पीपीबीएल ने समझौता रद्द किया, शेयर बाजार को दी जानकारी

नई दिल्ली। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई के बीच वन97 कम्युनिकेशंस ने शुक्रवार को कहा कि निदेशक मंडल ने निर्भरता कम करने के लिए पेटीएम पेमेंट बैंक के साथ अंतर-कंपनी समझौता खत्म कर दिया है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) नियामकीय निर्देशों को न मानने के कारण आरबीआई के जांच के दायरे में है। वन 97 कम्युनिकेशंस (जो पेटीएम का स्वामित्व और परिचालन करती है) ने शुक्रवार को एक वैधानिक फाइलिंग में कहा कि कंपनी और उसकी सहायक इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) ने पीपीबीएल के स्वतंत्र संचालन के प्रति अपने दृष्टिकोण को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त उपायों की शुरुआत की है। उल्लेखनीय है कि जनवरी में एक नियामकीय कार्रवाई में रिजर्व बैंक ने पीपीबीएल को 29 फरवरी के बाद ग्राहक खातों, वॉलेट, फास्टैग और अन्य उपकरणों में ताजा जमा या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया था। सोमवार को विजय शेखर शर्मा ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के अंशकालिक गैर-कार्यकारी अध्यक्ष का पद छोड़ दिया और बैंक के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया था।

भाजपा के टिकट..अब किसी भी वक्त!

भोपाल/नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची अब किसी भी वक्त सामने आ सकती है। दिल्ली में हुई केंद्रीय चुनाव समिति की आधी रात तक चली बैठक में कई नाम तय कर लिए गए हैं,इनमें मप्र की करीब दस सीटें भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक पहली सूची में पार्टी का फोकस उन सीटों पर है, जहां पिछली बार उसके उम्मीदवार को हार मिली है और जिन सांसदों को उसने हाल में विधानसभा का चुनाव लडाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शीर्ष नेताओं के नाम भी पहली लिस्ट में होंगे। वहीं धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, और मनसुख मांडविया समेत कई केंद्रीय मंत्रियों को आम चुनाव में उतारा जा सकता है जिन्हें संसद के उच्च सदन यानि राज्यसभा का हाल में प्रत्याशी नहीं बनाया गया है।

मप्र की 29 सीटों में से करीब बीस सीटों पर नाम पर मंथन पूरा हो गया है और दस ऐसी सीट हैं जहां उम्मीदवार का नाम पहले सामने आ सकता है। इनमें भिंड, मुरैना,दमोह,सीधी,होशंगाबाद जैसे क्षेत्र भी शामिल बताए जाते हैं। मप्र में भाजपा करीब दर्जनभर सीटों पर 'नया प्रयोग' भी करने वाली है।

राहुल की यात्रा कल से मध्यप्रदेश में

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा कल 2 मार्च को राजस्थान से मप्र में प्रवेश करेगी। मप्र में यह यात्रा 5 दिन रहेगी। मुरैना से शुरू होकर, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन होते हुए रतलाम के बाद राजस्थान में फिर प्रवेश करेगी। यात्रा के दौरान राहुल सात स्थानों पर लोगों से संवाद करेंगे।

अजीज कुरैशी का निधन

भोपाल। कांग्रेस के नेता पूर्व मंत्री व राज्यपाल रहे अजीज कुरैशी का आज यहां 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे।

महाराष्ट्र में इंडिया ने खोजा फार्मूला, जो जहां से सांसद सीट उसी दल को

शिवसेना को 21 व कांग्रेस को 15

मुबंई, एजेंसी।

लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) नेताओं की बैठक शरद पवार के घर पर हुई और सभी 48 लोकसभा सीटों के बंटवारे पर चर्चा व फार्मूला बनाया गया है। पवार के 'सिल्वर ओक' आवास पर हुई बैठक में कांग्रेस के अलावा, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शीर्ष नेता शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक जो फॉर्मूला निकलकर सामने आया है उसके मुताबिक, उद्धव ठाकरे शिवसेना को 21, कांग्रेस को 15, एनसीपी शरद पवार को 9, वीबीए को 2 और राजू शेट्टी स्वाभिमानी पक्ष को एक सीट दी जाएगी। हालांकि यह सीट बंटवारे का एक प्रारंभिक फार्मूला है। बताया जाता है कि इस पर अंतिम फैसला जल्द होगा। इस फार्मूले के तहत

महत्वपूर्ण बात ये है कि जिस सीट पर जिस पार्टी का सांसद है, वह सीट उसी को दी जाएगी, भले ही उम्मीदवार ने पार्टी बदल ली हो लेकिन टिकट उसी पार्टी को मिलेगा. साथ ही 4 मार्च को दिल्ली में कांग्रेस नेताओं की अहम बैठक होगी जिसमें फिर से उम्मीदवारी पर चर्चा होगी और उसके बाद नामों पर मुहर लगाई जाएगी.विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने गुरुवार को कहा कि उसने सभी 48 लोकसभा सीटों पर सीट-बंटवारे पर चर्चा पूरी कर ली है।

सात मंजिला इमारत में आग से 43 मौतें

ढाका, एजेंसी।

बांग्लादेश की राजधानी में सात मंजिला इमारत में रात आग लगने से कम से कम 43 लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य लोग घायल हो गए। बांग्लादेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सामंत लाल सेन ने बताया कि इस घटना में घायल हुए लोगों की हालत 'नाजुक' है। दमकल सेवा के अधिकारियों ने बताया कि इमारत की पहली मंजिल पर स्थित एक रेस्तरां में बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजकर 50 मिनट पर आग लग गई जो तेजी से ऊपर की मंजिलों में भी फैल गई। इन मंजिलों पर रेस्तरां एवं कपड़े की दुकानें थीं। अधिकारियों ने बताया कि इमारत से 75 लोगों को बाहर निकाला गया जिनमें से 42 लोग बेहोश थे।

मेट्रो एंकर | उत्तरकाशी टनल हादसे के रेस्क्यू टीम के लीडर का घर दिल्ली में तोड़ा गया

मलबा हटाकर 41 जान बचाईं, अब खुद अपने घर के मलबे के ढेर पर बैठा है रेट माइनर!

नई दिल्ली, एजेंसी।

उत्तरकाशी के टनल हादसे को लोग भूल नहीं हैं, जिसमें रैट माइनर टनल में फंसे 41 लोगों को बचाने के लिये पूरा मलबा खोदकर अंदर पहुंचे थे और सभी को सकुशल बचा लाए, आज उसी रैट माइनर टीम का मुखिया वकील हसन खुद अपने घर के मलबे के ढेर पर बैठा है। वन विभाग ने अवैध कब्जे के कारण इनका घर तोड़ दिया। हालांकि, डीडीए ने अब वकील को फ्लैट की पेशकश की है। हसन का कहना है कि 'मैंने उत्तराखंड हादसे की जगह पर जाने के लिए जरा भी नहीं सोचा। अपनी जान की परवाह किए बिना वहां रेस्क्यू ऑपरेशन में लोगों की जान बचाई। लेकिन मेरे घर को मेरी आंखों के सामने ध्वस्त कर दिया। जो इज्जत मैंने कमाई थी वो सब खत्म हो गई। आलम यह रहा कि मेरी बेटी परीक्षा देने नहीं जा पाई। क्योंकि इन बातों के कारण वह तनाव में थी। उसे मेरे अन्य बच्चों के साथ पुलिस स्टेशन भी ले जाया गया था। वहां उनको हिरासत में रखा गया।'

उल्लेखनीय है कि दो महीने पहले उत्तरकाशी में टनल हादसा हुआ था। हसन ने दावा किया कि उत्तराखंड टनल हादसे वाले मिशन को पूरा कर लौटने के बाद नॉर्थ ईस्ट के सांसद मनोज तिवारी ने हमारा स्वागत भी किया था। अब उन्होंने वकील हसन को भरोसा दिलाया है कि वो इस मामले का हल निकालने की कोशिश करेंगे। दरअसल हसन के फ्लैट गिराने के बाद बवाल मच गया। इसके बाद डीडीए के अधिकारी वकील से मिलने पहुंचे। उन्होंने वकील को नरेला में फ्लैट ऑफर किया। इसके अलावा वकील को रोजगार देने की भी पेशकश की गई है। डीडीए का कहना है कि अतिक्रमण हटाने की अपनी रूटीन कार्रवाई को अंजाम दिया है। किसी व्यक्ति विशेष को कार्रवाई के दौरान टार्गेट नहीं किया है। जब डीडीए को पता चला कि वकील और उसके दोस्तों ने सिल्कयारा सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने में भूमिका निभाई थी, तो डीडीए ने उनकी मदद करने की कोशिश की। डीडीए ने कहा कि कार्रवाई के दौरान उसे मालूम नहीं था कि ये रैट माइनर वकील हसन का घर था। इसीलिये पता चलते ही डीडीए के अधिकारी मौके पर जाकर वकील को मदद की पेशकश की थी। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि वकील हसन को मुआवजा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि रेट माइनर चूहे की तरह किसी खदान या सुरंग में रेंगते हुए रास्ता बनाकर आगे बढते हैं।

मोहन सरकार ने खोली रातापानी को रिजर्व बनाने की फाइल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाजपा की तत्कालीन शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने रातापानी को रिजर्व बनाने की जो फाइल छोड़ी थी, उसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने खुलवा लिया है। मंत्रालय में वन मंत्री नागर सिंह चौहान ने इसका रिव्यू किया है। यह पहला मौका है जब मोहन सरकार ने तत्कालीन शिवराज सिंह चौहान की सरकार द्वारा छोड़ी गई फाइल को खुलवाया है। असल में पुरानी सरकार रातापानी को टाइगर रिजर्व बनाने के प्रस्ताव को टालते रही थी।वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि रातापानी के अलावा तीन प्रस्ताव और है जिन पर चर्चा जारी है। इनमें माधव नेशनल पार्क को रिजर्व बनाने, ओंकारेश्वर व बुरहानपुर में अभयारण्य बनाने की योजना भी शामिल है। इसी तरह माधव नेशनल पार्क को 14 साल से रिजर्व बनाने के प्रयास हो रहे हैं जो अब तक पूरे नहीं हुए हैं तो वहीं ओंकारेश्वर व बुरहानपुर में अभयारण्य बनाने की प्रक्रिया भी आगे नहीं बढ़ी है।

12 वर्ष से टाल रही थी भाजपा सरकार: रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को रिजर्व बनाने की प्रक्रिया 2007-08 में शुरू हुई थी लेकिन अब तक इस प्रस्ताव पर भाजपा की तत्कालीन सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया। हर बार प्रस्ताव को टाला जाता रहा। हालांकि बीच में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार के रहते राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को प्रस्ताव भेजे जाने की कवायद शुरू हुई थी।

2007-08 से शुरू हुई थी प्रक्रिया, लगातार अटकती रही

रातापानी में 60 बाघ व 100 तेंदुए

रातापानी अभयारण्य में 60 बाघ व 100 से अधिक तेंदुए होने की आशंका है। यह दावा इसलिए सच के नजदीक है क्योंकि दस्तावेजी तौर पर सरकार खुद मानती हैं कि रातापानी में 56 बाघ व 70 तेंदुए हैं लेकिन यह पुरानी आकलन रिपोर्ट के आधार पर माना है, जबकि पिछले दो वर्ष में यहां कई युवा बाघ व तेंदुए वयस्क हो गए हैं। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि भोपाल का 5 वर्ग किमी, सीहोर का 135 वर्ग किमी व रायसेन का 728 वर्ग किमी वन क्षेत्र मिलाकर रातापानी अभयारण्य को टाइगर रिजर्व बनाने का प्रस्ताव है। जिसमें 763 वर्ग किलोमीटर कोर क्षेत्र प्रस्तावित किया है। इसमें नीलगढ़, दुनावनी और मथार तीन वन ग्राम व 9 राजस्व ग्राम होंगे। वहीं 480 वर्ग किमी बफर क्षेत्र प्रस्तावित किया है, जिसमें 20 राजस्व ग्राम आ रहे हैं।

अब आवास दाताओं की एमएसपी!

फाइल फोटो

मनोज मीक
(शहरी विकास के जानकार)

हर वर्ष की तरह फिर भोपाल और आसपास की जमीनों की नई गाइडलाइन की चर्चा है। मगर यही सही है कि इतने वर्षों बाद भी प्रापर्टी की गाइडलाइन क़ीमतों के निर्धारण की वैज्ञानिक विधि विकसित नहीं की गई है। अधिकांश भूमियों के सरकारी मूल्य अनुमान पर आधारित हैं. भोपाल में भूमियों और भूखंडों की गाइडलाइन क़ीमतों को पिछले दशक में दशियों गुना वृद्धि की गयी थी जिससे बाज़ार में आज भी अलग-अलग खातों की छोटी भूमियों का क्रय-विक्रय संभव नहीं हो पा रहा है, भूखंड के मूल्य से गणना होने के कारण इन भूमियों का सरकारी मूल्यांकन वास्तविक मूल्य से कई गुना उपर निकल जाता है।

हालाँकि कई जगह बनी हुई प्रापर्टी का मूल्यांकन ज़रूर वास्तविकता के क़रीब जान पड़ता है. निर्मित संपत्तियों की स्थानीय लोकेशन, अमेनिटीज़ और स्पेसिफ़िकेशन के आधार पर बाज़ार मूल्य प्राप्त होता है परन्तु सरकारी मूल्यांकन सबका उच्चतम मूल्यांकन कर लिया जाता है यह विसंगति आम ख़रीददार की जेब पर भारी पड़ती है.

इसी तरह कलेक्टर गाइडलाइन में पिछले वर्षों में संपत्ति का मूल्यांकन बढ़ाने के अनेक उपबंधों जोड़ दिये गये हैं जो लगातार भोपाल के रियल स्टेट मार्केट के विकास को बाधित करते हैं. क्रेडाई समेत अनेक संस्थाएँ लगभग 15 वर्षों से मूल्यांकन की विसंगतियों पर प्रतिवर्ष प्रतिवेदन देती रही हैं परन्तु कुछ चुनिंदा बिन्दुओं के अतिरिक्त आम ख़रीदार को कोई राहत नहीं मिली है। विभिन्न प्रदेशों के रियलिटी मार्केट के बाज़ारों के वास्तविक और सरकारी मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन करने पर हम पाते हैं कि भोपाल की प्रापर्टीज का सरकारी मूल्यांकन सर्वाधिक है। रियल वैल्यू के नज़दीक आने के लिये ज़रूरी है कि वैलुवेशन की साइंटिफिक बेस्ट प्रैक्टिस अपनायी जाये अन्यथा अन्न दाताओं की तरह आवास दाता भी अन्याय का शिकार होते रहेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किए आदेश

प्रवेश के लिए उम्र तय, नर्सरी में 3 और पहली में प्रवेश के लिए 6 साल उम्र जरूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग ने बच्चों के स्कूलों में प्रवेश के लिए उम्र को लेकर नियम जारी कर दिए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पालन करते हुए शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत उम्र की सीमा का पालन करना अनिवार्य किया गया है। जिसके तहत प्रदेश भर के सरकारी और निजी स्कूलों में नर्सरी कक्षा में 3 साल की उम्र में ही प्रवेश होंगे।

केजी-1 में चार साल, केजी टू में पांच साल और पहली कक्षा में छह साल में प्रवेश दिया जाएगा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत प्रदेश के स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया चल रही है। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी करने के साथ ही उम्र की तय सीमा का सख्ती से पालन करने के दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

केजी-1 में 4 और केजी-टू के लिए उम्र 5 साल

नहीं होता नियम का सख्ती से पालन

बच्चों को स्कूलों में प्रवेश को लेकर अभी तक नियम का सख्ती से पालन नहीं होता था। कई स्कूलों में बच्चों को ढाई साल की उम्र से ही नर्सरी में प्रवेश दे दिया जाता था। कई स्कलों में 5 साल में ही बच्चों को कक्षा पहली में प्रवेश दिया जा रहा था। आमतौर पर इस तरह की स्थिति प्राइवेट स्कूलों में ज्यादा देखने में आ रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति जारी हुए चार साल हो गए हैं। मध्यप्रदेश इस नीति को अपनाने वाला कर्नाटक के बाद दूसरा राज्य है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूलों में प्रवेश की उम्र तय की गई है।

शिव कथा दिव्य कथा शुरू हुई

भोपाल। विश्व जागृति मिशन द्वारा गोविंदपुरा दशहरा मैदान में 'शिव कथा दिव्य कथा' भक्ति सत्संग कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें गुरुदेव सुधांशु महाराज के श्रीमुख से कथा का श्रवण करने खेल मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय समेत गणमान्य नागरिक व बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित रहे। – फोटो: निर्मल व्यास

भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस समेत 6 ट्रेनें 10 मार्च तक निरस्त रहेंगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस समेत 6 ट्रेनें 10 मार्च तक निरस्त रहेगी। इन ट्रेनों को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के शहडोल स्टेशन में किए जा रहे कामों के चलते निरस्त किया है। उक्त स्टेशन के आसपास तीसरी रेल लाइनों को पुरानी रेल लाइनों से जोड़ने का काम किया जा रहा है। ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त

1- 10 मार्च तक ट्रेन 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस, 12 मार्च तक बिलासपुर से रवाना होने वाली ट्रेन 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस, 11 मार्च तक इंदौर से रवाना होने वाली ट्रेन 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस, 10 मार्च तक बिलासपुर से रवाना होने वाली ट्रेन 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस, 10 मार्च को दुर्ग से रवाना होने वाली ट्रेन 18213 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस रद्द रहेगी तो वहीं 4 व 11 मार्च को अजमेर से रवाना होने वाली ट्रेन 18214 अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

'नेनो मटेरियल वैज्ञानिक विकास का भविष्य'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मिशीगन तकनीकी विश्वविद्यालय, अमेरिका, के भौतिक शास्त्री और भौतिक विभाग के प्रमुख प्रो. रविंद्र पांडे उपस्थित रहे। प्रो पांडे ने नेनो मटेरियल के ऊर्जा क्षेत्र में इस्तेमाल पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा अब नैनों मटेरियल को देखने की तकनीक विकसित हो गई हैं। जैसे लाइट माइक्रोस्कोप और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप जिसकी सहायता से नेनो मटेरियल को देखा जाना संभव हुआ है। डॉ. पांडे ने नेनो मटेरियल को देखने की विभिन्न तकनीकों को उदाहरण सहित समझाया। उन्होंने बताया कि, किस प्रकार नैनों मटेरियल का निर्माण किया जाता है। नैनो मटेरियल के गुण-धर्म निर्धारण में रमन स्पेक्ट्रम का बहुत अधिक उपयोग किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, आज के कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जागरूकता लाना है।

विज्ञान दिवस पर हुआ व्याख्यान

प्रदर्शन

भोपाल। संदेशखाली में महिलाओं पर अत्याचार को लेकर भोपाल में महिलाओं ने प्रदर्शन कर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा।

'जीवन में आगे बढ़ना है तो सतत अभ्यास जरूरी'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्सकॉलेज के वाणिज्य विभाग में ई-कामर्स, फाइनेशियल मार्केटिंग, डिजिटल मार्केटिंग और पेरोल मैनेजमेंट विषय पर आधारित फील्ड वर्क, इंटर्नशिप और अप्रेन्टिस कार्यक्रम के प्रतिभागियों को समापन समारोह प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में श्री रामनाथ नरेटे,सी.ए. राहुलजैन, रिसोर्सपर्सन-वोकेशनल वैली,सी.ए.गौतम जैन, रिसोर्स पर्सन-वोकेशनल वैली उपस्थित थे।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने जीवन में आगे बढ़ने के लिए सतत अभ्यास के महत्व पर बल दिया। डॉ. डालिमा के अनुसार जीवन में सबकुछ सीखना जरूरी है,पर किसी एक स्किल में श्रेष्ठ होना आवश्यक है।

रामनाथ नरेटे ने जीवन में योजना बनाकर करियर चुनने की बात कही वही सी.ए. राहुल जैन ने छात्राओं को बाजार की आधारभूत बातें समझाकर सफलता को चरणबद्ध तरीके से ही प्राप्त किया जा सकता,इस विषय पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। सी.ए.गौतम जैन छात्राओं को स्किल मैनेजमेंट के टिप्स सिखाए।

कॉलेज की छात्राओं वंशिका श्रीवास्तव,हिबा मरियम व अनुशा पॉल नेकार्यक्रम में अपने के अनुभवों को साझा किया।

मेट्रो एंकर | एक शाम दिवंगत ट्रस्टियों के नाम, विशिष्ठ जन सम्मानित

प्रगति में प्रेरणा स्रोत ट्रस्टियों को याद करना सराहनीय

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय में एक शाम दिवंगत ट्रस्टियों के नाम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के मुक्ता आकाश मंच पर विश्वास कैलाश सारंग, मंत्री मप्र शासन, किशन सूर्यवंशी, चैयरमेन नगर निगम भोपाल, ईश्वर झामनानी ट्रस्टी इन्ड्यूस फाउन्डेशन मुम्बई, नरेन्द्र कुमार लालवानी, उद्योगपति अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत तरीके से हुआ। अतिथियों एवं प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने दिवंगत ट्रस्टियों के चित्रों पर माल्यार्पण किया।

प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दयालदास डेटानी ने अतिथि एवं समाज सेवियों का अभिनन्दन किया। महासचिव राजेन्द्र मनवानी ने संस्था की प्रगति, ट्रस्टियों के योगदान एवं नई योजनाओं पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार सिंह ने अकादमिक गतिविधियों को रखा।

कार्यक्रममें ईश्वर झामनानी जी इन्दौर को देश भक्ति, सिंधी समाज के विकासएवं सिंधी संस्थाओं में किये गए कार्यों के लिये '' विशिष्ट सेवा सम्मान'' एवं प्रशस्ति पत्र, शाल, श्रीफल से सम्मानित किया गया । समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी को भी '' विशिष्ट सेवा सम्मान'' एवं प्रशस्ति पत्र, शाल, श्रीफल से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विश्वास सारंग ने अपने उदभोदन में कहा दिवंगत ट्रस्टियों की प्रेरणा एवं उनके दिशा निर्देशों से आज महाविद्यालय ने एक नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। अपने प्रेरणा स्त्रोत रहे दिवंगत ट्रस्टियों को याद कर एक सराहनीय कार्य किया है।

म्यूजिक बैंड ने सदाबहार गीतों की प्रस्तुति दी। साथ ही महाविद्यालय प्रंबधक समिति पदाधिकारी एवं फैकल्टी द्वारा अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

डिवाइडर स्टेशन के मोड़ पर कट करने को कहा

मेन रोड से हटाए जा रहे कॉरिडोर के काम का जायजा लिया विधायक ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में मेन रोड से हट रहे कॉरिडोर के काम को गुरूवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने निरीक्षण किया। सिंगल डिवाइडर के बीच स्टेशन की ओर जाने वाले रास्ते पर कट प्वॉइंट बनाने को कहा। बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने का काम संतनगर में मेन रोड पर चल रहा है। कॉरिडोर हटाने के साथ सिंगल डिवाइडर भी बनाया जा रहा है। तीन हिस्सों में बंटा मेन रोड जल्द ही दो हिस्सों में नजर आने लगेगा। माना जा रहा है। मार्च के पहले पखवाड़े में काफी हद तक कॉरिडोर हटाया लिया जाएगा।

मुख्य मार्ग पर सिंगल डिवाइडर के बीच कट प्वॉइंट की व्यापारियों

की मांग को लेकर कॉरिडोर हटाने के काम में लगे रहे अफसरों से बात की। एक ओर से दूसरी ओर जाने के लिए ग्राहकों को ज्यादा पैदल न चलना पड़े इसलिए मौजूदा कट प्वॉइंट के अलावा स्टेशन रोड पर कट प्वॉइंट बनाए जाने की मांग व्यापारी कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, पूर्व मंडल अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, व्यापारी व अन्य लोग मौजूद थे।

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

सांस्कृतिक अभ्युदय से समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

विक्रमादित्य युगीन भारत उत्कर्ष
नव जागरण और भारत विद्या पर एकाग्र

विक्रमोत्सव 2024

का

शुभारंभ

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

एवं

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

- ₹ 8000 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास
- 169 उद्योगपतियों को ₹ 6774 करोड़ की भूमि का आवंटन

उज्जयिनी विक्रम व्यापार मेला

- वाहनों के आरटीओ पंजीयन पर 50% की छूट
- हथकरघा एवं हस्तशिल्प की दुकानें आकर्षण का केन्द्र

विक्रम सांस्कृतिक पर्व

- 1 मार्च से 9 अप्रैल तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन
- भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता के संग्रहालय 'वीर भारत न्यास' का शिलान्यास
- उज्जैन के रामघाट पर 25 लाख दीपों का प्रज्वलन एवं उज्जयिनी गौरव दिवस का आयोजन

का उद्घाटन

तथा

1.29 करोड़ लाड़ली बहनों को ₹ 1576 करोड़ का अंतरण

अब तक दी गई कुल ₹ 13,082 करोड़ की सहायता

1 मार्च, 2024 - प्रात: 10:30 बजे - कालिदास अकादमी, बहिरंग, उज्जैन

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

D11221/23

सुविचार

भरोसा रखें..
हम जब कहीं किसी का
अच्छा कर रहे होते हैं,
तब हमारे लिए भी कहीं कुछ
अच्छा हो रहा होता है
-अज्ञात

संपादकीय

एक दल की कठिनाई

यह बात हर वक्त बहुत सटीक साबित हुई है कि उप्र में जिसका बहुमत होता है वह दल केंद्र की सरकार बनाने में ज्यादा सक्षम होता है। दरअसल उप्र देश का सबसे बड़ा व सबसे ज्यादा लोकसभा व विधानसभा सीटों वाला राज्य है। यहां कभी कांग्रेस के एकछत्र शासन हुआ करता था और इसी सूबे की बदौलत वह केंद्र में भी राज करती थी। लेकिन नब्बे का दशक आते आते कांग्रेस का दबदबा टूटने लगा, क्योंकि उप्र में कई ऐसे दल अस्त्वि में आने लगे थे जो समाज के अलग अलग वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इनमें समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी थीं। हालांकि अब तक तो उप्र में ऐसे कई दल खड़े हो चुके हैं। समाजवादी पार्टी वहां दूसरा सबसे बडा दल है और कांग्रेस सबसे छोटे दलों में शुमार है। लेकिन बसपा की हालत बिगड़ती जा रही है। हाल में सांसद रितेश पांडेय ने बसपा से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने की घोषणा कर दी। बड़ी बात यह है कि वह अकेले नहीं हैं। पार्टी के कई सांसदों के बारे में ऐसी खबरें आ रही हैं कि उनकी निष्ठा बदल चुकी है। हालांकि जब तक औपचारिक घोषणा न हो जाए तब तक ऐसी अटकलों को ज्यादा अहमियत नहीं दी जा सकती। मगर बसपा सुप्रीमो मायावती ने खुद यह कहकर इन खबरों को कुछ हद तक प्रामाणिकता दे दी है कि अपना हित साधने में लगे ऐसे सांसदों को पार्टी टिकट दे भी तो क्यों। चुनावों में लगातार बसपा का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। इसने पार्टी के भविष्य से जुड़ी चिंताओं को मजबूती दी है। 2014 लोकसभा चुनाव में बसपा को एक भी सीट नहीं मिली तो 2019 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन में उसने 10 सीटें जीतीं। मगर नतीजे आने के ठीक बाद पार्टी ने गठबंधन तोड़ दिया। दो साल पहले विधानसभा चुनाव में बसपा अकेले लड़ी और सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल कर पाई। उसका वोट शेयर भी गिरकर 12 फीसदी पर आ गया, जबकि 2014 में एक भी सीट हासिल न करने के बावजूद उसे 19.77 फीसदी वोट मिले थे। उसके समर्थकों में सबसे ज्यादा चिंता पार्टी नेतृत्व की गठबंधनों से दूरी रखने की घोषणा से है। जबकि तथ्य यह है कि बसपा हमेशा किसी न किसी गठबंधन के जरिए ही सत्ता तक पहुंची है। एकमात्र अपवाद 07 के विधानसभा चुनाव रहे जिसमें पार्टी ने बहुजन हिताय की जगह सर्वजन हिताय को चुनावी मंत्र बनाया था। यानि साफ है कि वह अपने मुख्य समर्थक वर्ग के साथ ही किसी और तबके को साथ लेकर ही चुनावी जीत को साध पाती है। ऐसे में मौजूदा नीति बसपा के बाहर ही नहीं, अंदर भी कई तरह के सवाल और संदेह पैदा कर रही है। बसपा प्रमुख ने औपचारिक तौर पर ऐसी घोषणा भले न की हो, पार्टी में यह साफ कर दिया है कि उनके भतीजे आकाश आनंद ही उनके उत्तराधिकारी होंगे। बहुजन समाज के हितों को समर्पित मानी जाने वाली इस पार्टी के समर्थकों के लिए यह कथित परिवारवादी रुझान एक नई बात है। देखना होगा कि पार्टी का मूल काडर इसे कैसे पचा पाता है। हालांकि आज भी बसपा ने सिर्फ उप्र बल्कि मप्र,पंजाब समेत कुछ राज्यों में दलित समूहों के बीच प्रभावी उपस्थिति रखती है। मगर खास बात मायावती की राजनीतिक स्टाइल भी है जो अपने लंबे राजनीतिक करियर में समर्थकों को ही नहीं, विरोधियों को भी चौंकाती रही हैं। लोकसभा चुनाव में थोड़ा वक्त बाकी है लिहाजा हो सकता है कि वे कोई नया चौंकाने वाला फैसला लेकर बसपा को नयी धार दें।

आज का इतिहास

- 1717- द लव ऑफ मार्स और वीनस का पहला बैले शो इंग्लैंड में किया गया।
- 1776- अमेरिकियों ने बोस्टन में ब्रिटिश सैनिकों पर गोलाबारी करना शुरू कर दी थी।
- 1776- जॉर्जिया और दक्षिण कैरोलिना से अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध-पैट्रियट मिलिशिया ने जॉर्जिया के सवाना में लंगर डाले गए आपूर्ति जहाजों को जब्त करने और हटाने के लिए ब्रिटिश कार्रवाई का विरोध करने का प्रयास किया था।
- 1807- अमेरिकी कांग्रेस ने एक कानून पास कर देश में गुलामों के आयात पर रोक लगा दी थी। दास प्रथा की समाप्ति की दिशा में यह अहम कदम था।
- 1825- अंतिम सफल कैरिबियन समुद्री डाकू में से एक, रॉबर्टो कॉफ्रेसि को युद्ध में हराया गया और अधिकारियों द्वारा कब्जा कर लिया गया।
- 1835- फर्डिनेंड ऑस्ट्रिया का सम्राट (राजा) बन गया।
- 1836- टेक्सास क्रांति-वाशिंगटन-ऑन-द-ब्रेजोस में प्रतिनिधियों के एक सम्मेलन में, टेक्सास के मैक्सिकन राज्य ने टेक्सास गणराज्य को स्थापित करते हुए, निर्भरता की घोषणा को अपनाया।
- 1852- पहले अमेरिकी प्रायोगिक भाप फायर इंजन का परीक्षण किया ।
- 1853- कपड़े की कंपनी लेवी स्ट्रॉस एंड कंपनी संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थापित की गयी।
- 1865- ब्रिटिश अखबार 'सुबह क्रोनिकल' प्रकाशन शुरू किया गया।
- 1866-निड्ल कंपनी एक्सेलसियर ने सिलाई मशीन की सुई बनानी शुरू की।
- 1882- रॉड्रिक मैक्लीन शॉट्स विंडसर ने रानी विक्टोरिया पर हमले का प्रयास किया, जबकि वे बल - बल बच गयी।
- 1899- वाशिंगटन राज्य में संयुक्त राज्य अमेरिका का माउंट रेनियर राष्ट्रीय उद्यान स्थापित किया गया।
- 1901- दुनिया की पहली वायरलैस टेलीग्राफ कंपनी हवाई में खुली।
- 1903- महिलाओं के लिए पहला होटल न्यूयॉर्क के मार्था वाशिंगटन में शुरू किया गया।
- 1919- कम्युनिस्ट, क्रांतिकारी समाजवादी और सिंडिकेटिस्ट प्रतिनिधियों ने कम्युनिस्ट इंटरनेशनल की स्थापना के लिए मॉस्को में मुलाकात की।

आज का कार्टून

डिजिटलीकरण के इस दौर में चुनौती बन रहे हैं वैश्विक बदलाव, जटिल होती गई है हदबंदी

■ पिनाकी चक्रवर्ती

वित्तमंत्री की अध्यक्षता में हाल ही में वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की बैठक हुई। यह परिषद की 28वीं बैठक थी। उल्लेखनीय है कि वित्तीय स्थिरता बनाए रखने, अंतर-नियामक समन्वय बढ़ाने और वित्तीय क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने की व्यवस्था को मजबूत और संस्थागत बनाने के लिए एफएसडीसी का गठन 2010 में एक शीर्ष निकाय के रूप में किया गया था। वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति का उच्च स्तर पर बने रहना, कमजोर वैश्विक मांग और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधान वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। ऐसे में परिषद के विचार-विमर्श को बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, ब्रिटेन, जापान व कुछ अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में दस्तक देती मंदी के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए। बढ़ते वैश्विक कर्ज और वित्तीय बचत में गिरावट वाले परिदृश्य में वित्तीय स्थिरता संबंधी मुद्दे गंभीर रूप से महत्वपूर्ण हो गए हैं। भारत के लिए भी कुछ चिंताएं अवश्य हैं, क्योंकि यहां का कर्ज-जीडीपी अनुपात, जो कोविड के दौरान अपने शिखर पर था, तेजी से गिरा जरूर है, लेकिन अब भी यह कोविड से पहले के समय की तुलना में ज्यादा है।

बढ़ते वैश्विक कर्ज और वित्तीय बचत में गिरावट वाले परिदृश्य में वित्तीय स्थिरता संबंधी मुद्दे गंभीर रूप से महत्वपूर्ण हो गए हैं। भारत के लिए भी कुछ चिंताएं अवश्य हैं, क्योंकि यहां का कर्ज-जीडीपी अनुपात, जो कोविड के दौरान अपने शिखर पर था, तेजी से गिरा जरूर है, लेकिन अब भी यह कोविड से पहले के समय की तुलना में ज्यादा है।

वृहत राजकोषीय स्थिरता पर नजर रखना एफएसडीसी के प्रमुख कार्यों में से एक है। ऐसे में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 28 दिसंबर, 2023 को प्रकाशित वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट (एफएसआर) के प्रमुख निष्कर्षों का उल्लेख भी जरूरी है। एफएसआर दरअसल एफएसडीसी की एक उप-समिति की रिपोर्ट है, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय बैंक के गवर्नर करते हैं। एफएसआर के जो निष्कर्ष होते हैं, वे दरअसल वित्तीय स्थिरता के जोखिमों और भारतीय वित्तीय प्रणाली के लचीलेपन पर एफएसडीसी की उप-समिति के सामूहिक मूल्यांकन को ही प्रकट करते हैं। उप-समिति का कहना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी वृद्धि के खतरे, बढ़ते सार्वजनिक कर्ज, बढ़ते आर्थिक विखंडन और लंबे खिंचते भू-राजनीतिक संघर्षों जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। रिपोर्ट में इस पर भी प्रकाश डाला गया कि घरेलू नियामक उपाय वित्तीय प्रणाली के प्रणालीगत जोखिमों को कम करते हुए किस प्रकार से ग्राहक सुरक्षा, सुरक्षित डिजिटलीकरण और वित्त के विस्तार जैसी दूसरी चीजों में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वृहत राजकोषीय जोखिम विश्लेषण पर एफएसआर की रिपोर्ट कहती है कि भारत में वित्तीय बचत में गिरावट के साथ-साथ परिवारों की वित्तीय देनदारियों में तेज बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 और 2022-23 के बीच जीडीपी अनुपात में वित्तीय देनदारियां 3.8 से लेकर 5.8 फीसदी तक पहुंच गईं। हालांकि रिपोर्ट में यह भी देखा गया कि शुद्ध घरेलू वित्तीय बचत 2022-23 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद का सात फीसदी हो गई, जो पिछली तिमाही में जीडीपी का चार फीसदी थी। एफएसडीसी के हालिया विचार-विमर्श को एफएसआर के निष्कर्षों के सामने रखकर ही देखना चाहिए।

वृहत राजकोषीय स्थिरता बनाए रखने और घरेलू क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले प्रणालीगत जोखिमों को कम करने के लिए 2022-23 की चौथी तिमाही में देखी गई बचत में वृद्धि को समय के साथ बनाए रखने और बढ़ाने की भी जरूरत है। खासकर जब घरेलू देनदारियां बढ़ रही हों, तब इस क्षेत्र में भविष्य के वित्तीय जोखिमों के संबंध में सक्रिय उपाय और निरंतर निगरानी बेहद महत्वपूर्ण है। चूंकि घरेलू बचतें निजी क्षेत्र में निवेश के लिए वित्त का प्रमुख स्रोत हैं, और समग्र सरकारी उधार कार्यक्रम का आधार भी हैं, इसलिए भारत के समग्र व्यापक आर्थिक प्रदर्शन में इनकी भूमिका पर जरूरत से ज्यादा जोर नहीं दिया जा सकता। निजी क्षेत्र को ज्यादा संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राजकोषीय सुदृढ़ीकरण पर ज्यादा ध्यान देना होगा, खासकर जब घरेलू वित्तीय बचत में गिरावट दिख रही हो। राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के लिहाज से अंतरिम बजट 2024-25 के आंकड़े उत्साहवर्धक हैं। हालांकि सरकारी कर्ज में निरंतर कमी सार्वजनिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले राजकोषीय जोखिमों को कम करने में प्रमुख भूमिका निभाएगी। एफएसडीसी की बैठक में व्यापक राजकोषीय जोखिमों पर निरंतर निगरानी की जरूरत के अलावा समावेशी आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए वित्तीय क्षेत्र के अंतर-नियामक समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। परिषद ने वित्तीय क्षेत्र में केवाइसी प्रक्रिया को सरल व डिजिटल बनाने के लिए रणनीति तैयार करने और ऑनलाइन ऐप के जरिये हो रहे अनधिकृत कर्ज को रोकने के लिए रणनीति तैयार करने का भी निर्णय लिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बैंक समेत वित्तीय क्षेत्र के नियामकों से ऑनलाइन ऐप के जरिये अनधिकृत कर्ज लिए जाने के प्रसार पर नियंत्रण करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने को भी कहा। परिषद ने सामाजिक स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से सामाजिक उद्यमों द्वारा धन जुटाने की शुरुआत करने का भी फैसला किया। 'सामाजिक स्टॉक एक्सचेंज' दरअसल सेबी के विनियमन के तहत इलेक्ट्रॉनिक फंड जुटाने वाला एक मंच है। समावेशी विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए 2019-20 के बजट में इसकी घोषणा की गई थी। सामाजिक स्टॉक एक्सचेंज का विचार सामाजिक कल्याण की दिशा में काम कर रहे सामाजिक उद्यमों व स्वैच्छिक संगठनों को सूचीबद्ध करता है, ताकि वे इक्विटी, कर्ज या म्यूचुअल फंड जैसी इकाइयों के रूप में पूंजी जुटा सकें।

निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि तेजी से बदलती वैश्विक आर्थिक व्यवस्था और बढ़ते डिजिटलीकरण के दौर में वित्तीय विनियमन कुछ साल पहले की तुलना में ज्यादा जटिल हो गया है। ऐसे में, विनियामक उपायों को विकसित करने के लिए जरूरी है कि तेजी से बदलती सीमाहीन वित्तीय दुनिया से भारतीय वित्तीय क्षेत्र खुद को बचाए। आज वैश्विक आर्थिक परिदृश्य क्रिप्टो-परिसंपत्तियों, साइबर जोखिमों और उभरती तकनीकों जैसे कई विकासों से गुजर रहा है, जो एफएसआर की रिपोर्ट में उल्लिखित भी हैं। वर्तमान समय में तमाम सुरक्षा उपायों पर ध्यान देते हुए डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन पर केंद्रीय बैंक का फोकस बना हुआ है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भारतीय वित्तीय क्षेत्र गहरा और विस्तृत हो रहा है। **साभार: लेखक के अपने विचार हैं..**

अनेकता में एकता नहीं! 'अनैतिकता' में एकता!

''जैसे को तैसा'' (टिट फॉर टेट)

■ राजीव खंडेलवाल

विश्व में भारत देश की पहचान के रूप में एक कथन अभी तक कहा जाता रहा है ''कश्मीर से कन्याकुमारी तक अनेकता में एकता भारत की पहचान है''। यह बात या नारा विभिन्न संस्कृति, धर्म, भाषा, वेशभूषा, रहन-सहन आदि को लेकर कही जाती रही है। परंतु अब समय आ गया है कि लगता है कि उक्त कथन में हल्का सा संशोधन कर ''अनेकता'' की जगह ''अनैतिकता में एकता'' कर दिया जाना चाहिये। दुर्भाग्यवश यह देश की सिर्फ राजनीतिक क्षेत्र व पार्टियों में ही नहीं बल्कि जीवन के समस्त क्षेत्रों में पहचान सी बन गई है।

देश की राजनीति में ''नैतिकता के पतन'' का सबसे बड़ा और नाच (उदाहरण) वर्ष 1970-80 के दशक में हुआ था, जब विपक्ष की पूरी की पूरी सरकार ही भजनलाल के नेतृत्व में गैरकांग्रेसी से ''कांग्रेसी'' हो गई। वह जमाना था ''गैर कांग्रेसवाद'' संविद शासन के रूप में फैल रहा था। परन्तु तब कांग्रेस ने भी अपने पूरे सत्ता काल में अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए चुनी गई सरकारों को हटाकर 77 बार राष्ट्रपति शासन लागू करके कौन सी नैतिकता का परिचय दिया था? तत्समय नैतिकता की दुहाई देने वाली जनसंघ पार्टी अपना राजनीतिक सफर प्रारंभ कर जनता पार्टी से होकर आज वह विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी ''भारतीय जनता पार्टी'' के रूप में स्थापित हो गई है। ''पार्टी विद द डिफरेंस'', ''सबको परखा-हमको परखो'' का नारा देने देकर सत्ता में आते ही उसने भी वही ''अनैतिकता की कैंची'' की धार को ''तेज'' कर सरकारों को पलटाया है, जिसकी वह पहले नैतिकता का झंडा उठाकर आलोचना करती रही है। 10 साल के एनडीए के शासनकाल में 6 से अधिक सरकारें (गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र आदि) जिन्हें जनादेश नहीं मिला था, इसी अनैतिकता के धारदार औजार का उपयोग कर जनादेश के विपरीत अपनी सरकार बनाई व विपक्षी सरकार गिराई।

ऐसा नहीं है कि भाजपा ने नैतिकता के मापदंड को उच्चतम स्तर पर कभी नहीं रखा हो। परंतु वह जमाना ''अटल-आडवाणी की भाजपा'' का था। जब अटल बिहारी वाजपेई ने नैतिकता के मापदंड के उच्चतम स्तर को बनाए रखने के लिए मात्र एक वोट के खातिर अपनी सरकार की बलि दे दी थी। जबकि उसके पूर्व किस तरह से पीवी नरसिम्हा राव की अल्पमत की सरकार बचाने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसदों का खुल्लम-खुल्ला खरीद फरोक कर कांग्रेस ने सरकार बचाई थी। प्रमोद महाजन जो उसे

समय के अटल बिहारी वाजपेई के चाणक्य कहे जा सकते थे, ऐसा ही कार्य करके सरकार को बचा सकते थे। परंतु अटल बिहारी वाजपेई ने ऐसा होने नहीं दिया। यह था नैतिकता का उच्चतम मापदंड। ताजा मामला हिमाचल प्रदेश की राजनीतिक घटनाक्रम का है। राजनीति शतरंज के शह-मात के खेल में अनैतिकता के शह को मात अनैतिकता ने ही दे दी। हंसी तब आती है, जब पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर विधानसभा में तथाकथित रूप से बजट पारित होने के बाद ''लोकतंत्र व नैतिकता की दुहाई'' की बात करते हैं। निश्चित रूप से देश की राजनीति का यह शायद पहला उदाहरण है, जहां दोनों पक्षों ने अनैतिकता को साध्य ही नहीं बल्कि साधन भी बना लिया। परंतु प्रश्न यह है कि यहां पर अनैतिकता का खेल प्रारंभ किसने किया? विपक्षी दल भाजपा ने विधानसभा में कोई अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया था, बल्कि राज्यसभा चुनाव की वोटिंग के समय कांग्रेस के 6 विधायकों को अनैतिक रूप से तोडा जाकर, उन्हें केंद्रीय अर्ध सैनिक बल की सुरक्षा में हरियाणा में पंचकूला के सेक्टर एक पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में रखा गया। क्या यह नैतिक कदम था?

यह कहा जा सकता है कि चुने गए, प्रतिनिधियों के बाजार की मंडी में जब कोई बिकने के लिए आया है, तो उसमें बोली लगाने अथवा खरीदने वाली की क्या गलती है? परंतु प्रश्न यह है कि मंडी में माल स्वेच्छा से स्वतः आया अथवा लाया गया? यदि वे स्वेच्छा से आए तो फिर उन्हें उन्मुक्त कर स्वतंत्र क्यों नहीं रहने दिया गया? अर्धसैनिक बल की सुरक्षा में दूसरे राज्य क्यों ले जाया गया? इसलिए जयराम ठाकुर को सरकार गिराने में असफल होने की खींच के लिए नैतिकता की दुहाई व लोकतंत्र की हत्या करने का कोई नैतिक अधिकार बनता नहीं है, बचता नहीं है। जिस अनैतिकता से सरकार गिराने का प्रयास हिमाचल प्रदेश में किया गया, कमोबेश उसी अनैतिकता का उपयोग कर सरकार बचाने का प्रयास भी सफल हुआ। विधानसभा अध्यक्ष ने जिस तरह से विपक्ष भाजपा के 15 विधायकों को निलंबित कर बजट पारित करवाया, निश्चित रूप से वह संसदीय मर्यादाओं का घोर उल्लंघन और अनैतिक है। संसदीय कार्यप्रणाली में परंतु ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। परन्तु अनैतिकता ही अनैतिकता पर भारी पड़ गई, ऐसा पहली बार हुआ है। क्योंकि इसके पूर्व अधिकांश मामलों में एक पक्ष को ही अनैतिकता का हथियार उपयोग करने का अवसर मिलता था, दोनों पक्षों को नहीं। झारखंड में ''ऑपरेशन लोटस'' असफल होने के बाद भाजपा के लिए यह दूसरा झटका है। यद्यपि वहां पर इस तरह की अनैतिकता का टेस्ट नहीं हो पाया था, क्योंकि ऐसा करने का अवसर ही उत्पन्न नहीं हो पाया था।

कहा भी गया है ''लोहा लोहे को काटता है''। इसीलिए राजनीति में निश्चित सफलता के लिए आज अनैतिकता की काट नैतिकता नहीं बड़ी अनैतिकता ही रह गई है। गांधी जी का यह सिद्धांत आज की राजनीति में पूरी तरह से खोखला हो गया है कि ''साध्य ही नहीं साधन भी पवित्र होना चाहिए''।

(यह लेखक के अपने विचार हैं..)

नपा सीएमओ पर कर्मचारी से मांस मटन बनाने के दबाव का लगा आरोप

मजबूरन कर्मचारी ने छोड़ी नौकरी!

7 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो जलाएगें नगरीय प्रशासन मंत्री का पुतला

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका में कार्यरत ब्राह्मण कर्मचारी से घर के काम करवाने के दौरान मांस मटन बनवाने का विवाद तूल पकड़ने लगा है। नपा सीएमओ शीतल भलावनी ने नपा के कर्मचारी उमाशंकर वैष्णण से स्वयं के निवास पर मांस मटन बनाने का कहा तो कर्मचारी ने ब्राहम्ण होने के चलते अपनी असमर्थता जताई, तो सीएमओ ने कर्मचारी को लापरवाही के लिए नोटिस जारी कर दिया। जिसके बाद नपा कर्मचारी ने अपनी नौकरी छोड़ दी। इस मामले में नगर पालिका सीएमओ शीतल भलावी से संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होने फोन नहीं उठाया।

ब्राहम्ण समाज ने सौंपा ज्ञापन

ब्राहम्ण समाज ने नायब तहसीलदार दीप्ती चौधरी को ज्ञापन सौंप कार्रवाई की मांग की है। उक्त घटना से ब्राहम्ण समाज में आक्रोश व्याप्त है तथा सिवनी मालवा सर्व समाज मांग करता है की ऐसे अधिकारीयों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाए। तथा धार्मिक भावना को आहत करने का आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। जिससे की आगे से कोई भी अधिकारी इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति ना करें। यदि उक्त ज्ञापन पर 7 दिवस में कोई कार्रवाई नहीं की जाती है तो पूरे जिले में सर्व ब्राहम्ण समाज के द्वारा उग्र आन्दोलन करते हुए नगरीय प्रशासन विभाग के मंत्री का पुतला दहन किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

नगर पालिका नियम में नहीं रख सकते घर पर कर्मचारी

गौरतलब है कि सीएमओ की कार्यशैली को लेकर नगर पालिका कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों में भी आक्रोश पनप रहा है। नगर पालिका अधिनियम में नगर पालिका कर्मचारी से घर में काम करवाने का कोई नियम नहीं है। इसके बावजूद कई कर्मचारी अधिकारियों के निवास पर काम कर रहे है, जो नगर पालिका के नियमों के विरूद्ध तो है साथ ही नगर पालिका को इससे आर्थिक क्षति भी हो रही है।

नपाध्यक्ष ने कलेक्टर को लिखा पत्र

मामले की जानकारी लगते ही नपाध्यक्ष रितेश रिंकू जैन ने भी कलेक्टर नर्मदापुरम को सिवनी मालवा मुख्य नगरपालिका अधिकारी शीतल भलावी पर कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। नपाध्यक्ष ने पत्र में लिखा है कि सीएमओ द्वारा आमजन, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों से अभद्रता करने की कई शिकायतें आने के बाद उन्हे व्यवहार में सुधार लाने के लिए कई बार निर्देशित किया। लेकिन सीएमओ ने अपने व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं लाई है, आज मीडिया के माध्यम से यह मामला सामने आया है। ऐसे मामलों से नगर पालिका की छवि धूमिल हो रही है।

क्या है पूरा मामला

सिवनी मालवा नगर पालिका में पदस्थ कर्मचारी पंडित उमाशंकर रामू वैष्णव पर कथित तौर पर नगर पालिका सीएमओ शीतल भलावी के द्वारा अपने आवास पर बुला कर घर के कार्य करने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। जिस पर कर्मचारी पंडित रामू वैष्णव के द्वारा कार्य भी किया जा रहा था। परन्तु विगत दिवस सीएमओ के द्वारा मांस-मटन लाकर कर्मचारी पंडित उमाशंकर रामू वैष्णव को दिया गया और कहा गया की इसे गर्म करके लेकर आओ। जिस पर कर्मचारी के द्वारा कहा गया की मै ब्राह्मण हूँ तथा मांस मटन को हाथ नहीं लगाता हूँ। जिसके बाद नगर पालिका सीएमओ के द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए उक्त कर्मचारी के खिलाफ नोटिस जारी कर दिया गया। कर्मचारियों को अलग अलग तरीकों से प्रताड़ित किया जाने लगा। सीएमओ के द्वारा अपने घर के शौचालय साफ करने के लिए कर्मचारी पर दबाव बनाया गया। जिसके बाद कर्मचारी पंडित उमाशंकर रामू वैष्णव के द्वारा मना करते हुए नगर पालिका से काम छोड़ दिया गया। इसके पूर्व में भी सीएमओ शीतल भलावी के द्वारा अन्य कर्मचारियों से घर पर काम कराते हुए अभद्र व्यवहार किया गया था तथा कर्मचारियों को नौकरी से भी निकाल दिया गया था।

इनका कहना है

नगर पालिका का कर्मचारी नगर पालिका के कार्यों के लिए होता है, अगर कोई उनसे घर के काम करवाता है तो यह नियम विरूद्ध है। अगर ऐसा पाया जाता है तो उक्त कर्मचारी का वेतन संबंधित अधिकारी के वेतन से वसूली की जाएगी।

रितेश रिंकू जैन, *नपाध्यक्ष*

ब्राह्मण समाज के कर्मचारी से मांस मटन बनवाना गलत है, जब उसने मना किया तो सीएमओ ने कार्रवाई के लिए नोटिस दिया। इस बात से ब्राह्मण समाज में काफी आक्रोश है, अगर 7 दिन में सीएमओ पर कार्रवाई नहीं होती है है ब्राह्मण समाज नगरीय प्रशासन मंत्री का पुतला जलाएगा।

विकास पाठक, *अध्यक्ष सर्व ब्राहम्ण समाज*

देर रात थाने पहुंची सीएमओ कर्मचारी के खिलाफ दिया आवेदन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका सीएमओ शीतल भलावी गुरूवार देर रात पुलिस थाने नपा कर्मचारी उमाशंकर वैष्णव पर एफआईआर दर्ज कराने पहुंची। सीएमओ का आरोप था की कर्मचारी के द्वारा मेरी निजता का हनन किया गया है। उसने मेरे बेडरूम में मेरी अनुपस्थिति में विडियो बनाये हैं। आज सुबह थाना प्रभारी सज्जन सिंह मुकाती ने बताया कि पूरे मामले में सीएमओ से शिकायती आवेदन लिया है मामले की जांच की जाएगी वही दूसरी और सीएमओ शीतल भलावी ने बताया की उक्त कर्मचारी मेरे घर पेड़ पौधों में पानी देने का काम करता था। मेरी अनुपस्थिति में वो मेरे बेडरूम में चला गया और मेरी अलमारी में रखे कपड़े निकाल कर्मचारी ने विडियो बनाया और उसे वायरल कर दिया। जिसका पता मुझे बाद में चला जिसके बाद मै सिवनी मालवा थाने में कर्मचारी पर एफआईआर दर्ज कराने आई हूँ।

आरटीई के तहत अशासकीय स्कूलों में नि-शुल्क प्रवेश के लिए 3 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन

रायसेन। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिये शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत गैर-अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के ऑनलाइन निःशुल्क प्रवेश के लिये 03 मार्च तक www. educatio nportal. mp. gov.in/rte पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन लिये जायेंगे। पोर्टल पर त्रुटि सुधार के लिये विकल्प उपलब्ध रहेगा। ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदक 5 मार्च तक पावती डाउनलोड और मूल दस्तावेजों का केन्द्रों में सत्यापन करा सकेंगे।

आरटीई के तहत 7 मार्च, 2024 को पारदर्शी रेण्डम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी आयोजित करते हुए आवेदकों को स्कूल आवंटित किया जायेगा। आवेदकों को एसएमएस से भी सूचित किया जायेगा। लॉटरी में चयनित आवेदक 11 मार्च से 19 मार्च, 2024 तक आवंटन-पत्र डाउनलोड कर आवंटित स्कूल में प्रवेश पा सकेंगे। प्रवेश लेते समय ही संबंधित प्रायवेट स्कूल द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से एडमिशन रिपोर्ट भी दर्ज की जायेगी।

मप्र विकास के नित्य नये सोपान स्थापित कर रहा हैःसीएम डॉ. यादव

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के 17 हजार करोड़ के विकास कार्यो का भूमि पूजन/लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने नर्मदापुरम जिले के 140.95 करोड के 46 निर्माण कार्यो का भूमि पूजन भी किया। प्रधानमंत्री नरेन?द्र मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर भारत का एक मजबूत स्तंभ बनेगा। इंदौर, मुरैना और धार में उद्योग स्थापित किये गये हैं। पूरे विश्व में भारत की साख बनी है और इसका लाभ निवेश में होता है। इंदौर से इंछावर तक सड़क बनने से कनेक्टिविटी बढ़ी है। कनेक्टिविटी बढ़ने से यातायात में लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पीएम स्वामित्व योजना में मध्यप्रदेश ने बेहतर कार्य कर के दिखाया है। अब तक 20 लाख हितग्राहियों के कार्ड इस योजना में बनाकर वितरित किये जा चुके हैं। सहकारिता का विस्तार निरन्तर किया जा रहा है। सब्जी, फल, दूध, मछली के सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सिंचाई परियोजनाओं से मध्यप्रदेश में विकास के लिए एक नई क्रांति हो रही है। जब किसान के खेत तक पानी पहुँचता है तो इससे बड़ी क्या सेवा हो सकती है, भारत सरकार ने विगत 10 वर्ष में 80 लाख हैक्टेयर भूमि को सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से जोड़ा है। श्री मोदी ने कहा कि आने वाले समय में देश में बड़े-बड़े गोदाम बनाए जाएगें, जहाँ 700 लाख मेट्रिक टन की उपज का भंडारण किया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैदिक घड़ी एवं सायबर तहसीलो का लोकापर्ण किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी तथा प्रदेश के समस्त जिलो में स्थापित सायबर तहसीलों का भी लोकार्पण किया। श्री मोदी ने कहा कि बाबा महाकाल की नगरी कभी काल गणना का केन्द्र हुआ करती थी लेकिन उसे समय के साथ भुला दिया गया है लेकिन अब हमनें पुनः वेदिक घड़ी के माध्यम से उसे पुनः स्थापित किया है। सायबर तहसीलो से लोगो को डिजीटल प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे। भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में मौजूद मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश विकास के नित नये सौपान स्थपित कर रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत?व में प्रदेश को 35 हजार करोड़ की पार्वती-कालीसिंध नदी की सौगात मिली है। वही इस वर्ष 45 हजार करोड़ की केन-बेतवा परियोजना इसी वर्ष मूर्त रूप लेगी।

विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने हितग्राहियों को उपकरण एवं प्रमाण पत्र वितरित किये

स्थानीय नर्मदा महाविद्यालय में भोपाल से आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में नर्मदापुरम विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने हितग्राहियों को उपकरण एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। डॉ शर्मा ने दो हितग्राहियों को व्हीलचेयर प्रदान कीया। वहीं स्वामित्व योजना में 5 हितग्राहियों को जमीन के पट्टे प्रदान किये। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

सामूहिक विवाह समारोह में सीएम यादव हुए शामिल

सीहोर , दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आष्ठा में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए । मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वर वधुओं को आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए मंगल कामना की । इस विवाह सम्मेलन में 748कन्याओं का विवाह धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ । समारोह में 179कन्याओं का निकाह भी कराया गया । मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वर-वधु को चेक भी प्रदान किया ।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन फिजूलखर्ची रोकने एक अच्छा माध्यम है । सामूहिक विवाह सम्मेलन में सीमित संख्या में परिजन उपस्थित होकर पूरे रीति-रिवाज और धूमधाम से अपने बेटे-बेटियों का विवाहकरने से फिजूल खर्ची नहीं होती और इससे धनराशि की बचत भी होती है, जो अपने बच्चों के भविष्य की योजनाओं के लिए उपयोग की जा सकती है । उन्होंने कहा कि दो दिन पहले मैंने भी अपने पुत्र का विवाह किया है । जिसमें 200 अतिथियों को ही आमंत्रित किया था ।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि संपन्न व्यक्ति अपने बच्चों की शादी में अपने और बच्चों के सपने साकार कर लेते हैं । गरीब मां-बाप के लिए यह सपना ही रह जाता है । और शादी के लिए जमीन बेचने से लेकर कर्ज तक लेना पड़ता है । ऐसे ही गरीब मॉ-बाप की बेटियॉ की शादी पारंपरिक रीति-रिवाज और धूमधाम से करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना चलाई जा रही है । आज निर्धन माता पिता अपनी बेटी की शादी की चिंता से मुक्त हैं। डॉ मोहन यादव ने कहा कि जनता के कल्याण के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजना के लिए धन की कोई कमी नहीं है । उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत वधु को 55 हजार रूपए शासन की और से दिए जाते हैं, जिसमें 49 हजार रूपए का चेक दिया जाता है । मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रेदेश तेजी से आगे बड़ रहा है। डबल इंजन की सरकार होने के कारण विकास की गति तेज हो गई है । उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि आज शाम 4ः00 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश के 17 हजार 500 करोड रुपए के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण करेंगे ।

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट HSRP लगवाना अनिवार्य

सीहोर। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट HSRP के संबंध में सभी वाहन मालिकों को अपने वाहन में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट HSRP के लिए आवश्यक दिशा निर्देश। HSRP केंद्रीय मोटर वाहन ऐक्ट 1989 के नियम का अनुपालन करता है सोसायटी ऑफ इण्डिया ऑटो मोबाईल मेन्युफेक्चर्स (S.I.A.M.) की वेबसाईड wwwsiam.in को मध्यप्रदेश के लिये खोल दिया गया है। समस्त वाहन निर्माता कम्पनी एवं उनके अधिकृत डीलर्स उपरोक्त वेबसाईड के माध्यम से बुक कर वाहनों पर हाई सिक्यूरिटी रजिस्टेशन नम्बर प्लेट HSRP लगना अनिवार्य करें। ऑनलाइन बुकिंग वेबसाइट अप्रैल 2019 से वाहन निर्माताओं द्वारा HSRP लगा कर दी जा रही है, अप्रैल 2019 के पूर्व के सभी प्रकार के वाहनों निजी, शासकीय व शासकीय कार्यालयों में अनुबंधित वाहनों को लगाना अनिवार्य है। केन्द्र सरकार द्वारा सन् 2019 में बनाये गये नियमों के अनुसार 01 अप्रैल 2019 के उपरांत बेचे गए वाहनों में डीलर द्वारा ही तीसरे रजिस्ट्रेशन चिन्ह सहित एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाई जा रहीं है।

कृषकों और भू-स्वामियों को अधिनियम-2016 का उपयोग करने की सलाह

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

सामान्य तौर से कृषकों और भू-स्वामियों द्वारा अपनी भूमि अन्य व्यक्तियों को धन या फसल का अंश भूमि स्वामी को देकर खेती के लिए भूमि दे दी जाती है जिसे सामान्य तौर पर बटाई, सिकमी, अन्य स्थानीय नामों से जाना जाता है। तत्संबंध में मध्यप्रदेश भूमि स्वामी एवं बटाईदारो के संरक्षण अधिनियम 2016 के अनुरूप भूमि बटाई पर दिए जाने की मान्यता प्रदान की गई है। अधिनियम भूमि स्वामी बटाईदार दोनों के हितों का संरक्षण करता है। अब कोई भी भूमि स्वामी अपनी भूमि बटाई पर देने या किसी व्यक्ति द्वारा बटाई पर लेने की वैधानिकता तभी मानी जाएगी जब दोनों पक्षों के द्वारा मध्यप्रदेश भूमि स्वामी बटाईदारों के हित संरक्षण अधिनियम 2016 के नियम चार के तहत अनुबंध निष्पादित किया हो और एक प्रति संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को उपलब्ध कराई हो। कोई भी बटाईदार, भूमि बटाई पर लेकर यदि वह फसल क्षति की देय राहत राशि, बीमा राशि और कृषि उपज का उपार्जन के लिए शासन द्वारा तभी स्वीकार माना जाएगा जब भूमि स्वामी और बटाईदार के मध्य उपरोक्त अधिनियम के अंतर्गत अनुबंध निष्पादित हुआ हो। विधिवत अनुबंध के अभाव में उपरोक्त हित लाभ दिया जाना संभव नही होगा।

मेट्रो एंकर | **जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में 2024-25 की संपत्ति रजिस्ट्रीकरण की दरें प्रस्तावित**

नवीन लोकेशन, नवीन कॉलोनियों में गाईडलाईन की दरों में वृद्धि प्रस्तावित

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में नर्मदापुरम जिले के अंतर्गत आने वाली समस्त अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य की संग्रणना के लिए बाजार मूल्य मार्ग दर्शन सिद्धांतो को बनाए जाने एवं गाईड लाईन अनुसार वर्ष 2024-25 की दरें निर्धारित करने के लिए बैठक आयोजित की गई। उप जिला मूल्यांकन समिति नर्मदापुरम इटारसी, सिवनीमालवा, पिपरिया, बनखेड़ी एवं सोहागपुर के प्रस्ताव प्राप्ति उपरांत वित्तीय वर्ष में संपदा 2.0 प्रणाली लागू किया जाना संभावित है। बताया गया कि वर्ष 2023-24 में 160 करोड़ रूपए के विभागीय लक्ष्य के विरूद्ध 135 करोड़ रूपए की आय अर्जित हो चुकी है। जिला तीव्र गति से शहरीकरण की ओर अग्रसर हो रहा है। अतः गाइड लाइन की दरों को वास्तविक बाजार मूल्य के निकट रखा जाना है।

संपत्तियों का बाजार मूल्य निर्धारण के पश्चात दावा-आपत्ति आमंत्रित कर फाईनल दरें अनुमोदन के लिए शासन को भिजवाई जाएगी। कलेक्टर सुश्री मीना ने कहा कि जिला रजिस्ट्रीकरण

अधिकारी एवं तहसीलदार मिलकर मौके पर जाके स्थल निरीक्षण कर युक्तियुक्तकरण के प्रस्ताव को देखे। जनप्रतिनिधियों को भी दिखाए की कही उक्त लोकेशन की दरें बाजार मूल्य से अधिक तो नहीं हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि जल्द ही युक्तियुक्तकरण के प्रस्ताव भिजवाए जाएं।

जिला पंजीयक ने बताया कि नर्मदापुरम के 38 नगरीय क्षेत्र में रजिस्ट्रीरण में गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 1.52 प्रतिशत की वृद्ध प्रस्तावित है वहीं ग्रामीण क्षेत्र के 64 स्थानों के लिए 2.44 प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित है। इटारसी के नगरीय क्षेत्र की 8 लोकेशन के लिए 0.5 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्र की 10 प्रतिशत लोकेशन के लिए 0.6, सिवनीमालवा के नगरीय क्षेत्र के 16 स्थानों के लिए 1.48 एवं ग्रामीण क्षेत्र के 10 स्थानों के लिए 0.4 प्रतिशत, पिपरिया में 8 नगरीय क्षेत्रों के लिए 0.9 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्र के 33 स्थानों के 1.45 प्रतिशत, सोहागपुर के नगरीय क्षेत्र की 1 स्थान के लिए 0.1, ग्रामीण क्षेत्र के 14 स्थानों के लिए 0.64 प्रतिशत तथा बनखेड़ी के नगरीय क्षेत्र के 6 स्थानों के लिए 0.57 प्रतिशत तथा ग्रामीण क्षेत्र के लिए 22 स्थानों के 1.44 प्रतिशत संपत्ति रजिस्ट्रीकरण में वृद्धि प्रस्तावित की गई है।

वहीं नवीन लोकेशन में प्रस्तावित नवीन कॉलोनिया चिन्हित की गई है। जहाँ पर गाईड लाईन की दरें निर्धारित किया जाना प्रस्तावित है। इनमें सिवनीमालवा की 3, बनखेड़ी की 1 नवीन कॉलोनी शामिल है।

नर्मदापुरम जिले में वर्ष 2022-23 में संपूर्ण जिले में औसतन मात्र 2 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी, वहीं इस वर्ष 2024-25 में संपदा से प्राप्त सूची अनुसार नगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पुराने रजिस्ट्री के मूल्य तथा मार्केट सर्वे के अनुसार दरों का युक्तियुक्तकरण करके वृद्धि प्रस्तावित है।

फूट-फूट रोने लगी महिला: विधायक शर्मा से लगाई न्याय की गुहार

सिरोंज-लटेरी को पीएम मोदी ने दी 15 करोड़ 37 लाख के विकास कार्यो की सौगात

सिरोंज, सईद खान, फरहान खान

विधायक जी मैंने करीब पंद्रह साल तक वार्ड 21 की अयोध्या बस्ती में बालबाड़ी के माध्यम से छोटे बच्चों का लालन पालन किया उनको पढ़ाया लिखाया ओर शासन की मंशानुरूप काम किया लेकिन एक दिन मेरी बालबाड़ी को अधिकारियों ने बंद करके मुझे नोकरी से हटा कर बेरोजगार कर दिया ओर उसके स्थान पर नई आंगनबाडी खोल दी मुझे न्याय दिलवाइए में आपकी हमेशा आभारी रहूंगी कुछ ऐसा कहते हुए आँखों मे आँसू लिए एक महिला का दर्द तब झलक उठा जब विधायक उमाकांत शर्मा कार्यक्रम में अपनी समस्याओं को लेकर आए नागरिकों से मिल रहे थे उस मुस्लिम महिला की बात को गंभीरतापूर्वक सुनने के बाद विधायक शर्मा ने मौके पर ही नपा सीएमओ ओर आंगनवाड़ी अधिकारियों को पंद्रह साल तक शासन की योजना से सेवा देने वाली महिला की नियमपूर्वक सहायता करने की बात देते हुए दस दिन में निराकरण करने व जाँच कर प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए। इसी तरह के दुख और समस्याओं के अनेक मामले इस समय देखने को मिले जब स्थानीय कृषि उपज मंडी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअली कार्यक्रम के बाद विधायक शर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद जनता के हाथों में शिकायती आवेदन देखे ओर उन्होंने सभी से मिलकर बात सुनकर जाने की बात कर दी।

अपनी तेज तर्रार शैली के लिए पहचाने जाने वाले विधायक उमाकांत शर्मा की यह बात सुनते ही कार्यक्रम में सहभागिता करने आई महिलाओं और पुरुषों ने उन्हें अपना दुखड़ा सुनने के लिए घेर लिया तब विधायक जहरम ने मानवीयता का परिचय देते हुए सभी को सामने दीर्घा में लगे सोफों पर बैठाया ओर स्वयं उनके सेवक की भाँति अपने साथी कार्यकर्ताओ के साथ जमीन पर बैठ गए और एक एक कर अभी की बात को इत्मीनान से न केवल सुना बल्कि मौके पर ही अधिकारियों को उचित संदबं के लिए निर्देशित किया। इसमे अधिकांश शिकायतें खाद्यान्न पर्ची एवं प्रधानमंत्री आवास की द्वितीय एवं अंतिम किश्त को लेकर थी। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को प्रशासन ने विकसित भारत विकसित मध्यप्रदेश अभियान अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदेश भर में एक साथ सत्रह हजार पाँच सौ उन्ननचास करोड़ के विकास कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम रखा गया था निसमे सहभागिता करने विधायक उमाकांत शर्मा भी पहुँचे थे इस आयोजन के साथ ही प्रशासन ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर व शासन की अन्य योजनाओं से संबंधित स्टॉल भी लगाए थे। इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्वकर्मा योजना का लाभ लेने के लिए हिन्दू एवँ मुस्लिम समाज की महिलाएं के साथ भारी तादात में पुरुष भी शामिल हुए थे।

कार्यक्रम में आम नागरिकों के साथ विधायक उमाकांत शर्मा ने भी सहभागिता करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विकसित भारत अभियान की संकल्पना को वर्चुअली माध्यम से जाना सुना। इसके पूर्व जब वह कार्यक्रम में पहुँचे तो उनके लिए एलईडी के सामने बैठने की विशेष व्यवस्था आयोजको द्वारा की गई थी लेकिन वह वीआईपी दीर्घा को छोड़कर आम जनता के बीच मे जाकर बैठे ओर प्रधानमंत्री मोदी के भाषण को सुना। इसके पूर्व कार्यक्रम में विधानसभा के विस्तारक राहुल मारण, वरिष्ठ नेता रमेश यादव,जनभागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने भी उपस्थित जनसमुदाय को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष पुष्पा यादव, अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चैधरी, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, देवपुर मंडल अध्यक्ष झार सिंह दाँगी,नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, जनपद उपाध्यक्ष शशि शर्मा,पार्षद सचिन शर्मा,के साथ काफी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

विधायक ने पिलाया प्यास से व्याकुल जनता को पानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत अभियान के लिए शहरी केवम ग्रामीण क्षेत्र के हितग्राही मूलक लाभार्थीयों को दोपहर दो बजे से बुलाया था कार्यक्रम में बहुत देर तक बैठने और गर्मी के कारण कर्मचारियों द्वारा पानी का वितरण किया जा रहा था। अपने क्षेत्र की जनता को भगवान का दर्जा देकर खुद स्वयं को सेवक का दर्जा देंव वाले विधायक शर्मा ने स्वयं आंगे बढ़कर कर्मचारियों के हाथों से पानी के सीके लेकर स्वयं सम्मान के साथ वितरण करते नजर आए इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद अपने कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को भी पानी का वितरण किया। उनका यह स्वागत का आदर भाव देखकर उनके हाथों से पानी का गिलास लेने के लिए पुरुषों के साथ महिलाएं भी लालायित दिखी।

आनंदपुर को मिली बाइपास की सौगात - चितावर में बनेगा हाई स्कूल -

विधायक उमाकांत शर्मा के प्रयासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सिरोंज लटेरी विकासखंड में जिन विकास कार्यो का लोकार्पण शिलान्यास किया गया उनमें प्रमुख रूप से तीन करोड़ की अधिक की राशि से बनने वाला आनंदपुर बायपास मार्ग है यह बायपास आरोन मार्ग पर स्थित रहीमपुर से आनंदपुर कस्बे के पीछे से होते हुए काछी खेड़ा परवारिया मार्ग को जोड़ेगा इसके अलावा लटेरी क्षेत्र में गोपालपुर से दनवास तक पल पुलियों सहित ग्रेवाल मार्ग,मोहब्बतपुर से झुकर जोगी तक पुल पुलियों सहित मार्ग का डामरीकरण,भिलाखेड़ी से ग्राम करैया तक ग्रेवल सड़क निर्माण, लटेरी शमशाबाद मार्ग से आगरा पठार के गुर्जर मोहल्ले तक ग्रेवाल मार्ग निर्माण शामिल है इसी तरह सिरोंज विकासखंड में महामाई मंदिर पर एक करोड़ बीस लाख की लागत से टीनशेड निर्माण, चितावर में हाई स्कूल भवन, ग्राम खण्डवा से महुआखेड़ा तक तथा खेजड़ा हाली से मजरा टांडा चक्क तक ग्रेवल निर्माण एवं साकलोंन से धर्मपुर तक डामरीकरण एवं पुल पुलिया निर्माण, बिशेपुर कठोतिया से आमाधना तक डामरीकरण के विकास कार्य शामिल है।

लोकसभा कार्यालय का हुआ शुभारंभ

लोकसभा प्रत्याशी को मेरे से तीन गुना अधिक वोटों से जिताएं:शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने शंखनाद कर दिया है गुरुवार को सागर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सिरोंज विधानसभा में लोकसभा चुनाव की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी के चुनाव कार्यालय का शुभारंभ हुआ। क्षेत्र के विधायक उमाकांत शर्मा ने भाजपा संगठन के नेताओ ओर जनप्रतिनिधियों के साथ भगवान की पूजा अर्चना एवं समाज के सभी वर्गों की नौ कन्याओं का पूजन करते हुए लोकसभा चुनाव में कमल के फूल के प्रत्याशी को विधानसभा में हुई सत्ताईस हजार से तीन गुना अधिक वोटों से विजय बनाने का संकल्प दिलाया।

लोकसभा चुनाव की लटेरी रोड स्थित एक निजी भवन में सागर लोकसभा के चुनाव कार्यालय का शुभारंभ करते हुए स्थानीय विधायक

उमाकांत शर्मा ने उपस्थित कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए 1925 में डॉ हेडगेवार द्वारा देश प्रेम की भावना से जो पौधा लगाया गया था वह आज बटवृक्ष बनकर सारे विश्व मे लहलहा रहा है। संघ के स्वयं सेवक के रूप में काम करते करते हुए एक साधारण स्वयं सेवक अटलबिहारी बाजपेयी जी पहले प्रधानमंत्री बने है ओर चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री है नरेंद्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों के मान सम्मान को बढ़ाने का काम किया है । आज कांग्रेस चारों खाने चित है हमारा आत्मविश्वास अच्छा है कार्यकर्ताओ में उत्साह उमंग है परंतु चुनाव के दौर में गर्मी रहेगी सूरज तपेगा ओर इसी तपिश में बम जितनी अधिक मेहनत कर लेंगे उतने अधिक वोटों से हम अपनी सागर लोकसभा के कमल के फूल के प्रत्याशी को जिता कर भेज सकेंगे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाते हुए कहा कि जितने वोटों से आपने सिरोंज लटेरी के विधानसभा प्रत्याशी के रूप में जिताया था उससे तीन गुना अधिक वोटों से हमकों सागर लोकसभा के प्रत्याशी को विजय बनाना है। इस मोहक पर विधानसभा के विस्तारक राहुल मारण ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित राजनैतिक दल है लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है आप सभी कार्यकर्ता अपने दैनिक जीवन का कुछ समय संगठन के लिए समर्पित करें। भारत संतो की भूमि है बम बसुधैव कुटुम्बकम के नारे को बुलंद करते हुए अपनी लोकसभा के प्रत्याशी को सिरोंज लटेरी विधानसभा से मजबूती देकर नरेंद्र मोदी को मजबूत करने का काम करेंगे। इस मौके पर विधायक शर्मा ने संगठन के वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करते हुए उन्हें कार्यालय संचालन की जिम्मेदारी भी सौपी। इसके पूर्व सभी भाजपा पदाधिकारियों ने सनातन संस्कृति अनुसार देवी देवताओं की पूजा अर्चना कर नौ कन्याओं का पूजन भी किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष पारस तारण,रमेश यादव,हरिबाबू भार्गव, नारायण दास साहू,मनोज शर्मा,डॉ पीके विश्वास, कामराज पाटीदार,हरिचरण अहिरवार,सुमंत मित्तल,अनिल यादव, संतोष रघुवंशी, सचिन शर्मा, आदि के साथ कार्यकर्ताबन्धु उपस्थित रहे।

जनपद में 1 साल में तीन बार बदले सहायक यंत्री विदिशा अप डाउन करके देख रहे हैं काम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत की लचर व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। तभी तो पिछले 1 साल में तीन जनपद कार्यालय में पदस्थ सहायक यंत्री बदल चुके हैं । वर्तमान में जो सहायक यात्री पदस्थ हैं वह तो विदिशा में रहते हैं वहीं से कभी कभार आकर काम के नाम पर खाना पूर्ति कर रहे हैं। इस वजह से जनपद कार्यालय की ग्राम पंचायत के हाल और भी बुरे हो गए हैं ।

इनका कहना है -

यदि जनपद के सहायक यंत्री मुख्यालय पर नहीं रहते हैं तो जांच करवा कर नियम अनुसार करवाई की जाएगी सभी को मुख्यालय पर रहकर अपना काम करना है।

हर्षल चैधरी, एसडीएम

भ्रष्टाचार करने वालों पर कोई लगाम नहीं लग पा इनके नहीं आने के कारण निर्माण कार्यों को भी गति नहीं मिल पा रही है। जिले में बैठकर ही ग्राम पंचायत की रिपोर्ट लग जाती है जांच के नाम पर भी खाना पूर्ति हो जाती है। जबकि इनके कंधों पर ग्राम पंचायत में होने वाले निर्माण कार्यों की बागडोर होती है साथ कौन सा काम कहां पर हो रहा है वहां गुणवत्ता से हो रहा है नहीं उसकी जांच पड़ताल के बाद घटिया काम करने वालों पर कार्रवाई करने का अधिकार इनके पास होता है। मुख्यालय पर नहीं रहने के कारण जांच दूर की बात है इनकी मॉनिटरिंग भी सही से नहीं हो पा रही है। जिसको लेकर पिछले जनपद में हुई समान सभा की बैठक में जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव ने सहायक यंत्री पर जनप्रतिनिधियों की शिकायत पर कार्रवाई नहीं करने व उनकी शिकायतों को अनदेखा करने के आरोप लगाते हुए कई शिकायतें की थी फिर भी इसमें कोई सुधार नहीं हो रहा है। सी ई ओ वंदना शर्मा ने भी अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों की शिकायत को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए थे । सरपंच सचिव भी काम करवाने के लिए इनको तलाशते रहते हैं ।जिले से अप डाउन करके सहायक यंत्री विकासखंड का काम देख रहे हैं । एक तरफ जिला कलेक्टर के द्वारा सभी जिम्मेदारियां को मुख्यालय पर रहकर अपने काम को करने के निर्देश है दूसरी ओर अधिकांश अधिकारी मुख्यालय पर ना रहते हुए जिले और अन्य जगहों से कभी-कभार आकर खाना पूर्ति करके चले जाते हैं ।इस वजह से भ्रष्टाचार करने वालों के हौसले बुलंद हैं उनके काम की जांच करने के लिए सहायक यंती से लेकर कई उपयंत्री पहुंचते ही नहीं है। अब देखना है कि मुख्यालय पर नहीं रहने वाले तथा लापरवाही से कार्यों करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या नहीं।

महुआलहान पड़कर आबकारी विभाग थपथपाता है पीठ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ग्रामीण अंचलों में इन दोनों शराब ठेकेदारों ने आबकारी विभाग को अपनी जेब में बिठा रखा है। साइलेंट और सीक्रेट पार्टनर बनाकर अपनी उंगलियों के इशारों पर जैसा चाहे वैसा नचा रहे हैं। शराब ठेकेदार मनमर्जी से बेखौफ होकर चार पहिया वाहनों से अवैध शराब का परिवहन कर ढाबो एवं होटलों पर शराब खपा रहे हैं और आबकारी विभाग के अधिकारी सहित कर्मचारी भी ठेकेदारों से चांदी काट रहे है। आबकारी विभाग अपने आपको महान इज्जतदार समझ शासन को लाखों का चूना लगाने में और भोली भाली जनता को ठगने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

अपनी आप पीठ थपथपाने के लिए जनता व शासन प्रशासन को गुमराह करने के लिए कच्ची शराब और महुआ लहान पकडकर ठेकेदारों के चहेते बन रहे हैं। लेकिन आबकारी विभाग की इतनी ताकत नहीं है कि वह सामने से गुजरती हुई शराब ठेकेदार की शराब से भरी हुई गाड़ी चार पहिया वाहन को पकड़ ले। यदि गाड़ी पकड़ ली तो ठेकेदार नाराज हो जाएगा और कई सुविधाएं मिलना बंद हो जाएगी। यह आलम पूरे तहसील में फेला हुआ है । बेखौफ होकर शराब ठेकेदार खुलेआम अवैध शराब का तांडव मचा रहे हैं और आबकारी विभाग के नुमाइंदे लापरवाह होकर खाकी और खादी को दागदार करने पर तुले हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि आबकारी विभाग को ठेकेदारों की हरेक हरकत की सूचना रहती है कहां किस गाड़ी से अवैध शराब जा रही है। लेकिन कोई

ग्रामीण क्षेत्रों में बिक रही है धड़ल्ले से अवैध शराब

आबकारी विभाग की आंखों पर बंदी पट्टी कब खुलेगी या यूं ही बिकती रहेगी गांव-गांव अवैध शराब

भी शराब ठेकेदार से बुरा नहीं बनना चाहता है। जिसके चलते पूरे क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार का मायाजाल बिछा हुआ है। समझ में यह नहीं आता है की आबकारी विभाग आखिर ड्यूटी किसकी बजा रहा है। कई बार आबकारी विभाग के जिम्मेदारों को शराब ठेकेदारों के यहां हाजरी भरते देखा गया है। आबकारी विभाग आए दिन जिला कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन का हवाला देकर छोटी मोटी कार्यवाही का प्रेस नोट जारी कर देते हैं । लेकिन सवाल यह खड़ा होता है कि क्या उच्च अधिकारी ने आबकारी विभाग को भी यह बोल रखा है की केवल महुआ लहान ओर कच्ची शराब ही पकना? शराब ठेकेदारों की शराब से भरी अवैध गाड़ी बिल्कुल मत पकना? कुल मिलाकर देखा जाए तो विभाग अपनी मनमर्जी से जिला प्रशासन की साख पर बट्टा लगा रहा है। जब से जिलाआबकारी अधिकारी जिले में पदस्थ हुए हैं तभी से आबकारी विभाग के सभी नुमाइंदे बेपरवाह होकर मनमाने तरीके से सरकार को चूना लगा कर अपने निजी आर्थिक स्वार्थ के लिए ठेकेदारों को खुश करने की हो? में लगे हुए है। विभाग के मुखिया होने के बाद उन्हें इन सारी बातों की खबर नहीं है या फिर उच्च अधिकारी के इशारे पर आबकारी अधिकारी ने ही सब को फ्री फॉर आल की छूट दे रखी है।

सूत्र से जानकारी है की ठेकेदार द्वारा शराब प्रिंट रेट से अधिक दामों पर बेची जा रही है । विभाग अपनी फर्जी औपचारिक सफलताओं का प्रचार कर सक्रिय होने का प्रमाण दे रहा है और सभी को गुमराह कर रहा है ।

मेट्रो एंकर एक नैतिक भारत की टीम पहुंची बरबटपुर, राष्ट्रपति व राज्यपाल को सौंपेंगी रिपोर्ट

पंचायत करैयाहाट में सहरिया समुदाय आज भी टूटी-फूटी झोपड़ियों में निवास करने के लिए मजबूर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुरुवार को ग्राम पंचायत करैयाहाट के मजरा टोला बरबटपुर का भ्रमण करने एक नैतिक भारत की तीन सदस्य टीम गांव पहुंची टीम ने गांव का भ्रमण करते हुए आदिवासी सहरिया मित्रों से संवाद कर हाल-चाल जाना जहां सहरिया मित्रों ने अपनी तमाम समस्याओं से भ्रमण दल को अवगत करते हुए कहां की बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल नहीं है ना ही यहां आंगनबाड़ी केंद्र है यही एक मुख्य कारण है कि बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं और शिक्षा की मुख्य धारा से कोसों दूर है ग्रामीणों ने बताया कि पीने के लिए पानी भी दूर दराज ट्यूबवेलों से लाना पड़ता है पूरी बस्ती में एक भी आवास पक्का नहीं है झोपड़िया में आज भी जीवन यापन करने के लिए मजबूर हैं।

आदिवासी राष्ट्रीय संगठन लेगा संज्ञान - भ्रमण दल में मौजूद एक नैतिक भारत टीम के जिला कोऑर्डिनेटर राजेश पटेल ने बताया कि आदिवासी मित्रों की वर्तमान स्थिति देख मन में पीड़ा है पीने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है स्कूल भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त है आवास स्वीकृत है पर धरातल पर एक भी नहीं बना सरकार की तमाम योजनाओं से आज भी हमारे सहरिया मित्र कोसों दूर है सहरिया समुदाय आज भी टूटी-फूटी झोपड़ियो में निवास करने के लिए मजबूर है सहरिया समुदाय की मुख्य समस्याओं को लेकर भ्रमण दल ने आदिवासी राष्ट्रीय संगठन ए.एल.एम को पत्र भेजकर अवगत कराया है उक्त मामले को लेकर अब आदिवासी राष्ट्रीय संगठन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजेगा।

आदिवासी क्षेत्रों में होंगे कार्यक्रम

विकासखंड के सभी आदिवासी क्षेत्रों में एक नैतिक भारत टीम द्वारा विशेष अभियान के अंतर्गत हर एक मजरा टोले पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा यह कार्यक्रम मैं और मेरा गांव की थीम पर होंगे जो स्वयं के अधिकार एवं नेतृत्व क्षमता,दैनिक दिनचर्या, स्वस्थ जीवन, उत्कृष्ट ग्राम पर आधारित होगा।

बीसीसीआई करेगा मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का आयोजन

29 मार्च से पुणे में शुरू होगा मैच, 6 टीमें लेंगी भाग

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का आयोजन करने का फैसला किया है। यह तीन दिन का होगा। टूर्नामेंट 29 मार्च से पुणे में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। टीमों को क्षेत्रों के आधार पर बांटा गया है। इसमें पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, मध्य और नॉर्थईस्ट की टीम इसमें शामिल होंगी। ये टीमें पांच मैचों की सीरीज में हिस्सी लेंगी।

क्वार्टर फाइनल से शुरू होगा टूर्नामेंट

टूर्नामेंट की शुरुआत क्वार्टर फाइनल से होगी। क्वार्टर का मुकाबला 29, 30 और 31 मार्च को होगा। दो क्वार्टर एक साथ होंगे। सभी क्वार्टर के विजेता फिर सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। दोनों सेमीफाइनल एक साथ खेले जाएंगे और 5 से 7 अप्रैल तक चलेंगे। फाइनल 9, 10 और 11 अप्रैल को खेला जाएगा।

बीसीसीआई रेड बॉल क्रिकेट पर कर रहा है फोकस

बीसीसीआई रेड बॉल क्रिकेट पर अपना फोकस कर रहा है। हाल ही बीसीसीआई ने मेंस क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए आदेश निकाले थे कि जो भी क्रिकेटर बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में शामिल है और वह देश के लिए नहीं खेल रहा है, तो उस दौरान उसे घरेलू क्रिकेट में खेलना जरूरी होगा। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन बीसीसीआई के इस आदेश की अनदेखी की, जिसके बाद उन्हें नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर कर दिया गया।

डब्ल्यूपीएल को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार करने का किया है प्लान

बीसीसीआई ने डब्ल्यूपीएल को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट का प्लान तैयार किया है। डब्ल्यूपीएल 2024 का फाइनल मुकाबला 17 मार्च को है। ऐसे में बीसीसीआई ने डब्ल्यूपीएल फाइनल के बाद 11 दिन का ब्रेक दिया है। जिससे खिलाड़ियों को ब्रेक मिल जाए, साथ ही उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट के लिए तैयार होने का समय मिल सके।

धर्मशाला में भारत के पास इतिहास रचने का मौका

पांचवां टेस्ट जीते तो पहली बार जीत की संख्या हार के बराबर होगी

धर्मशाला, एजेंसी

टीम इंडिया धर्मशाला में 7 मार्च को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मैच खेलने उतरेगी। यह भारत का ओवरऑल 579वां टेस्ट मैच होगा। अगर भारतीय टीम यह टेस्ट जीत जाती है तो पहली बार इसकी जीत की संख्या हार के बराबर होगी। साल 1932 में पहला टेस्ट खेलने वाली भारतीय टीम ने अब तक 578 टेस्ट खेले हैं, इसमें से 177 में टीम को जीत और 178 में हार मिली।

घर में भारत ने 100 से ज्यादा टेस्ट जीते

घरेलू मैदान पर भारत ने 288 टेस्ट खेले हैं, 117 में टीम को जीत और 55 में हार मिली। एक मुकाबला टाई रहा, जबकि 115 ड्रॉ भी रहे। यानी घरेलू मैदान पर भारत महज 19 फीसदी टेस्ट हारता है।
विदेश में 42 फीसदी मैच गंवाए
विदेश में टीम ने 290 मैच खेले। महज 60 में टीम को जीत मिली, जबकि 123 मुकाबले टीम ने गंवाए। यानी विदेश में जीत-हार का रिकॉर्ड बराबर करने के लिए टीम को दोगुने से भी ज्यादा मैच जीतने पड़ेंगे। टीम ने विदेश में 107 मैच ड्रॉ भी कराए। जीत परसेंटेज महज 20.69 फीसदी का रहा और 42.41 फीसदी मुकाबलों में टीम को हार भी मिली। लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उनके नाम 132 टेस्ट में 619 विकेट हैं। उनके बाद ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 99 टेस्ट में 507 विकेट लिए हैं। 434 विकेट के साथ पूर्व कप्तान कपिल देव तीसरे नंबर पर हैं। कपिल तेज गेंदबाजों में टॉप पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान के खिलाफ हार ज्यादा

भारत ने ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ भी 100 से ज्यादा टेस्ट खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने 32 टेस्ट जीते और 45 गंवाए। जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ 23 टेस्ट जीते और 30 गंवाए। पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका भी ऐसी 2 और टीमें हैं, जिनके खिलाफ भारत ने टेस्ट हारे ज्यादा और जीते कम हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने 16 टेस्ट जीते और 18 गंवाए। वहीं, पाकिस्तान के खिलाफ टीम ने 9 टेस्ट जीते और 12 गंवाए।

श्रीलंका-न्यूजीलैंड को हराया ज्यादा

न्यूजीलैंड और श्रीलंका ही ऐसी 2 टॉप टीमें हैं, जिनके खिलाफ भारत ने टेस्ट जीते ज्यादा और हारे कम हैं। न्यूजीलैंड को भारत ने 22 टेस्ट हराए और 13 मुकाबले गंवाए। जबकि श्रीलंका के खिलाफ भी टीम ने 22 टेस्ट जीते और महज 7 मुकाबले गंवाए। अफगानिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ टीम अब तक नहीं हारी। जबकि जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम ने 7 टेस्ट जीते और 2 गंवाए। बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने 13 में से 11 मैच जीते हैं। 2 मुकाबले ड्रॉ रहे।

टेस्ट में सिर्फ 4 टीमों के नाम हार से ज्यादा जीत

इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान ने अपने टेस्ट इतिहास में जितने मुकाबले हारे हैं उससे ज्यादा जीते हैं। इंग्लैंड ने 392 मैच जीते, जबकि 323 गंवाए। ऑस्ट्रेलिया ने 412 मैच जीते, जबकि 232 गंवाए। साउथ अफ्रीका ने 178 टेस्ट जीते, वहीं 161 गंवाए। पाकिस्तान ने 148 टेस्ट जीते व142 हारे। बाकी 9 टीमों ने टीमों में टेस्ट मैच जीते कम और हारे ज्यादा हैं। अब धर्मशाला में टीम इंडिया इसी रिकॉर्ड को सुधार सकती है।

भारत ने इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के बाद ज्यादा टेस्ट खेले

टीम इंडिया ने अब तक 578 टेस्ट खेले हैं। सबसे ज्यादा टेस्ट खेलने के मामले में टीम तीसरे नंबर पर रही। 1070 टेस्ट के साथ इंग्लैंड पहले और 864 टेस्ट के साथ ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। भारत ने 578 में से 177 में जीत दर्ज की, जबकि 178 में टीम को हार मिली। एक मुकाबला टाई रहा, वहीं 222 मुकाबले भारत ने ड्रॉ खेले। पाकिस्तान व साउथ अफ्रीका भी ऐसी 2 और टीमें हैं, जिनके खिलाफ भारत ने टेस्ट हारे ज्यादा और जीते कम हैं।

सचिन तेंदुलकर टॉप स्कोरर

सचिन तेंदुलकर टेस्ट में टीम इंडिया के टॉप रन स्कोरर हैं। उन्होंने सबसे ज्यादा 200 मुकाबले खेलकर 15,921 रन बनाए। दूसरे नंबर पर राहुल द्रविड़ और तीसरे नंबर पर सुनील गावसकर हैं। द्रविड़ ने 13,265 और गावसकर ने 10,122 रन बनाए। 8,848 रन के साथ विराट कोहली चौथे नंबर पर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ हारे ज्यादा, जीते कम

इंग्लैंड ने ही दुनिया में क्रिकेट शुरू किया और इसी टीम के खिलाफ भारत ने सबसे ज्यादा टेस्ट खेले। दोनों के बीच 135 टेस्ट खेले गए। 34 में टीम इंडिया को जीत व 51 में हार का सामना करना पड़ा। यानी भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत से 17 मुकाबले ज्यादा गंवाए हैं। दोनों के बीच 50 मैच ड्रॉ भी रहे।

4जी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स

मप्र के खिलाड़ियों ने जीते 2 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य

अकादमी बाक्सिंग खिलाड़ी जिज्ञासा और साई की जूडो खिलाड़ी पवित्रा ने जीता 1-1 स्वर्ण पदक, खेल मंत्री सारंग ने दी बधाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

4जी खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 का आयोजन असम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, नागालेण्ड एवं त्रिपुरा में दिनांक 17 फरवरी से 29 फरवरी 2024 तक किया जा रहा है। मुकाबलों में बाक्सिंग खेल में 1 स्वर्ण, 1 रजत, 2 कांस्य और जूडो में 1 स्वर्ण सहित 5 पदक प्राप्त हुए।

खेल अकादमी के बाक्सिंग खिलाड़ियों ने जीता 4 पदक: बॉक्सिंग खेल के महिला 75 किग्रा. भागवर्ग इवेन्ट के फायनल के इस रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबले में अकादमी के खिलाड़ी जिज्ञासा राजपूत (रवीन्द्रनाथ टैगौर विश्वविद्यालय रायसेन) ने स्वर्णिम विजय प्राप्त कि। वहीं अकादमी की एक और खिलाड़ी मलिका मोर ने अपने खेल कौशल एवं दक्षता को अजमाते हुये 50 किग्रा भारवर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। इसी तरह अकादमी के 02 और खिलाड़ी कु. आयुषी अवस्थी ने महिला वर्ग के 52 किग्रा भारवर्ग इवेन्ट में कांस्य पदक एवं पुरूष वर्ग के 92 किग्रा भार वर्ग में सौरभ यादव ने भी कांस्य पदक अर्जित किया।

जूडो के परिणाम

जूडो खेल के मुकाबले में रवीन्द्रनाथ टैगौर विश्वविद्यालय रायसेन की खिलाड़ी कु. पवित्रा भटेले ने .75ज्ञहण् भारवर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने यह मुकाबला बी.एम.यू. की खिलाड़ी कु. अन्नू को पराजित कर यह स्वर्णिम विजय पायी है। उल्लेखनीय है कि गतवर्ष 3जी खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 07 स्वर्ण, 05 रजत एवं 07 कांस्य सहित कुल 19 पदक अर्जित किये थे। इन उपलब्धियों पर खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग और संचालक खेल डॉ. रविकुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुये बधाई दी।

मेट्रो बाजार

अब डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग पर 3000 करोड़ रुपए खर्च करेगा अडाणी ग्रुप

नईदिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के कानपुर में साउथ एशिया के सबसे बड़े एम्यूनिशन और मिसाइल मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ ने की है। इस डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स को अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस बना रही है। 500 एकड़ में फैले इस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट के लिए कंपनी करीब 3000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। कंपनी के मुताबिक यहां करीब 4000 लोगों को सीधे तौर पर रोजगार भी मिलेगा। कंपनी इस प्लांट में काउंटर ड्रोन, खुफिया, निगरानी और रेकी टेक्नोलॉजी एवं साइबर रक्षा क्षेत्र में विकास पर काम करेगी। इसके अलावा यहां आर्म्ड फोर्सेस, पैरामिलीट्री फोर्सेस और पुलिस के लिए एम्यूनिशन यानी गोला-बारूद बनाई जाएगी।

छोटे कैलिबर के गोला-बारूद का प्रोडक्शन शुरू: कंपनी ने कहा कि यहां छोटे कैलिबर के गोला-बारूद का प्रोडक्शन शुरू भी हो चुका है। शुरुआत में यहां 15 करोड़ राउंड बनाए जा रहे हैं, जो देश की टोटल जरूरत 25त्न है। कंपनी ने अपने बयान में कहा, भारत में प्राइवेट सेक्टर में अपनी तरह के पहले मॉडर्न प्लांट्स से डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता और टेक्नोलॉजी ग्रोथ को प्रोत्साहन मिलेगा। इन डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स का इनॉगरेशन बालाकोट हवाई हमले की पांचवीं वर्षगांठ पर किया गया।

घरेलू कच्चे तेल पर सरकार ने बढ़ाया विंडफॉल टैक्स, डीजल पर दे दी ये राहत

नईदिल्ली, एजेंसी

विंडफॉल टैक्स केंद्र सरकार ने विंडफॉल टैक्स में बड़ा बदलाव करते हुए घरेलू कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में बढ़ोतरी का फैसला किया है. सरकार ने इस मामले पर एक नोटिफिकेशन जारी करके जानकारी दी है कि घरेलू कच्चे तेल के निर्यात पर लगने वालह्य विंडफॉल टैक्स को 3,300 रुपये से बढ़ाकर 4,600 रुपये मैट्रिक टन कर दिया गया है. इसके अलावा सरकार ने डीजल के निर्यात पर लगने वाले विशेष ड्यूटी में कटौती का फैसला किया है. इसे 1.50 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया गया है. वहीं पेट्रोल और जेट फ्यूल यानी एविएशन टरबाइन फ्यूल पर पहले की तरह ही किसी तरह का टैक्स नहीं लगाया जाएगा.

नई दरें 1 मार्च 2024 से लागू हो चुकी है. इससे पहले 15 फरवरी 2024 को हुई समीक्षा बैठक में सरकार ने घरेलू उत्पादित होने वाले कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में बढ़ोतरी का फैसला किया था. इसे 3,200 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 3,300 रुपये प्रति टन कर दिया गया था. वहीं डीजल पर लगने वाले टैक्स को जीरो से बढ़ाकर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया था. भारत सरकार कच्चे तेल व अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के व्यापार से हो रहे मुनाफे पर कंपनियों पर टैक्स लगाती है. यह एक तरह की एडिशनल कस्टम ड्यूटी होती है. सरकार ने जुलाई 2022 में पहली बार कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला किया था।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

रवि किशन बोले- 'तेरे नाम' के दौरान सलमान से दूर रहता था

2003 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे नाम' में सलमान खान ने राधे मोहन का रोल प्ले किया था। यह किरदार लगभग आज के दौर के 'कबीर सिंह' जैसा ही था। हालांकि, इसके बावजूद उस कैरेक्टर के साथ जुड़े इमोशंस के चलते ऑडियंस ने उसे खूब पसंद किया था। इस फिल्म में रवि किशन ने पंडित रामेश्वर का रोल प्ले किया था। अब एक इंटरव्यू में रवि ने फिल्म में सलमान के साथ काम करने के एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। उन्होंने कहा कि वो सेट पर सलमान के साथ दूरी मेंटेन करते थे। 'तेरे नाम' में रवि किशन ने सपोर्टिंग रोल प्ले किया था। वो फिल्म में राधे की लव इंट्रेस्ट निर्जरा के मंगेतर के रोल में नजर आए थे। रवि ने एक इंटरव्यू में कहा, 'आर्टिस्ट नेचर से मूडी होते हैं। जब मुझे लगता है कि मेरे को-एक्टर को स्पेस चाहिए तो वो मैं उन्हें बखूबी देता हूं। यही मैंने सलमान के साथ भी किया। उनका किरदार काफी इंटेंस था इसलिए मैंने 'तेरे नाम' के सेट पर उन्हें बखूबी स्पेस दिया। डायरेक्टर सतीश कौशिक भी ऐसा ही चाहते थे। सलमान अपने किरदार में खोए रहते थे इसलिए मैं सेट पर उनसे दूर ही रहता था।'

सोहेल के बचपन के दोस्त हैं रवि

रवि ने बताया, फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद मैं और सलमान कई बार मिले। हमारे बीच दोस्ती डेवलप हुई। हम दोनों ही बांद्रा से हैं और सलमान के छोटे भाई सोहेल मेरे बचपन के दोस्त हैं। सलमान शुरुआत में मेरे बारे में जानते थे पर मैं तब कुछ नहीं था और वो सुपरस्टार थे।'

मुश्किल दौर से गुजर रहे थे

रवि ने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग के वक्त सलमान पर्सनल लाइफ में काफी मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। 'सलमान बहुत ही कमाल के आदमी हैं। तेरे नाम के दौरान उनका बुरा दौर चल रहा था और मैं उसका गवाह रहा। पर जिस तरह वो वर्क आउट करते थे, जिम में डेढ़ घंटे तक लगे रहते थे। मैंने उन्हीं से सीखा है कि चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे आप लाइफ में कितने भी दुखी हो, चाहे हार्टब्रेक हुआ हो और चाहे शूटिंग करके थक चुके हों.. आपको डेढ़ से दो घंटे वर्क आउट तो करना ही करना है।

पति के जेल जाने पर शिल्पा ने गंवाए थे प्रोजेक्ट्स: राज कुंद्रा

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पर 2021 में अश्लील फिल्में बनाने का आरोप लगा था। आरोप लगने के साथ ही उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। अब एक इंटरव्यू के दौरान राज कुंद्रा ने इसपर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा- उस समय मेरे कारण मेरी पत्नी शिल्पा शेट्टी को बहुत कुछ झेलना पड़ा था। एक इंटरव्यू में अपना दर्द बयां करते हुए कहा- इस इंसीडेंट के बाद मेरे परिवार को काफी कुछ झेलना पड़ा। जो हुआ बहुत ही अनफेयर था। जब राज से पूछा गया कि पोर्नोग्राफी पर ट्रोलिंग के चलते क्या उनकी मैरिड लाइफ पर कोई प्रभाव पड़ा? इसपर राज ने कहा- इस पूरे मामले से उनकी मैरिड लाइफ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। क्योंकि हम एक दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। लेकिन उस दौरान जो कुछ भी हुआ वो काफी भयानक था। राज का कहना है कि उनकी पत्नी शिल्पा से उन्हें काफी हिम्मत मिली। राज ने खुलासा किया कि जब शिल्पा को पहली बार इस बात का पता चला तो वो सुनकर हंस पड़ी थीं। शिल्पा ने कहा था कि ये सच नहीं है। राज ने आगे कहा- अगर आप एक ही घर में रह रहे हैं और इसमें अश्लील फिल्म जैसी कोई चीज शामिल है, तो आपको पता चल ही जाएगा। राज ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि पोर्न किंग बुलाकर वह उन पर नहीं बल्कि उनके परिवार पर हमला कर रहे थे। राज ने बताया कि ये जो हुआ उसका खामियाजा मेरी पत्नी शिल्पा शेट्टी को भुगतना पड़ा था।

स्मृति ने कहा- सतीश कौशिक ने मेरे किरदार को दिया आकार

अभिनेत्री स्मृति कालरा की फिल्म 'कागज 2' कल यानी एक मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। हाल ही में फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे फैंस की खूब वाहवाही मिली। यह फिल्म दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक की आखिरी फिल्म है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान स्मृति ने दिवंगत अभिनेता के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। साथ ही उन्होंने बताया कि वे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। अभिनेत्री से जब सतीश कौशिक के साथ काम करने के अनुभव के बारे में पूछा गया, तो स्मृति कालरा ने बताया, उनके साथ काम करना मिट्टी को आकार देने वाले कुम्हार के समान है। उन्होंने मेरे किरदार तनीषा को आकार देने में मेरी मदद की है। वे बहुत ही अच्छे और अनुभवी अभिनेता थे। मेरा मानना है कि केवल अनुभवी व्यक्तियों के आसपास रहने से ही हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इस फिल्म में काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा है।

बिजली मेंटेंनेंस कंपनी के कर्मचारी ने पुलिस से की थी झूठी शिकायत

किसी और ने नहीं, बल्कि खुद ही गलती से गोली चलने से हुआ था घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नजीराबाद थाना क्षेत्र मंगलगड़ गांव के पास तीन नकाबपोश बदमाशों पर गोली मारने का आरोप लगाने वाले बिजली मेंटेंनेंस कंपनी के कर्मचारी का सच सामने आ गया है। उसे किसी ने गोली नहीं मारी थी, बल्कि उसकी गलती से खुद देशी कट्टे से फायर हुआ था। फायर होने से उसकी जांघ में गोली लगी थी और उसने कुछ लोगों को फंसाने पूरी कहानी बना ली। पुलिस ने घटनास्थल का रिक्रियेशन किया था। साथ ही तकनीकी जांच के आधार पर इस मामले का खुलासा करते हुए बिजली मेंटेंनेंस कंपनी के कर्मचारी पर झूठी शिकायत देने का मुकदमा दर्ज किया है।

यह है मामला

21 फरवरी को मजीदगड़ निवासी 36 साल के अशोक साहू ने शिकायत करते करते हुए बताया था कि वह निजी बिजली मेंटेंलेंस कंपनी में प्राइवेट काम करता है। बिजली सुधार के साथ बिजली बिल की वसूली भी करता है। 21 फरवरी बुधवार दोपहर करीब 1 बजे वह मंगलग? गांव में बिजली वसूली कर बाइक से वापस लौट रहा था। रास्ते में वह बाइक रोककर टॉयलेट करने लगा। इसी बीच बाइक से तीन नकाबपोश पहुंचे। उन्होंने उसकी तरफ पिस्टल से फायर कर दिया। गोली उसके पैर की जांघ में लगी। गोली आरपार हो गई। उसने तुरंत ही अपने परिचितों को कॉल कर बुलाया। परिचित उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। बाद में उसे नजीराबाद से भोपाल ग्रीन सिटी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ऐसे हुआ खुलासा

पुलिस ने अशोक साहू की शिकायत पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। इसके बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया और रिक्रियेशन भी किया। पुलिस ने ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर से भी पूछताछ की। इसके अलावा जिन लोगों पर अशोक ने संदेह जताया था उनसे भी पूछताछ की गई। पुलिस की जांच में संदेह किसी और पर नहीं बल्कि अशोक साहू पर जा रहा था कि उसने झूठी शिकायत दर्ज कराई है। यह भी पता चला था कि अशोक की कुछ लोगों से पुरानी रंजिश है। पुलिस ने तकनीकी आधार पर अशोक से पूछताछ की तो वह अपनी ही बातों में फंस गया।

दीप सिंह से खरीदा था कट्टा

संदेह गहराने पर पुलिस ने अशोक साहू से पूछताछ की तो वह टूट गया और उसने बताया कि गोली उसकी ही गलती से चली थी। उसने बताया कि उसकी कुछ लोगों से रंजिश थी और अपनी सुरक्षा के लिए उसने देशी कट्टा दीप सिंह से खरीदा था। कट्टा कार में रखा था। घटना के दिन वह अकेला था और कट्टा हाथ में लेकर देखने लगा। इसी बीच कट्टे से फायर हो गया और गोली उसके बांए पैर की जांघ में लग गई।

शाहपुरा मल्टी में बीती देर रात चार बदमाशों ने की वारदात, चाकू लगने से नाबालिग को भी चोट

पार्टी में डांस करते अंगूठी फंसी, बदमाशों ने युवक की चाकू से गोदकर हत्या की

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा मल्टी में बीती रात शादी की पार्टी में डांस करते समय अंगूठी फंसने के विवाद में चार बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जांघ में चाकू लगने से उसे गंभीर चोट आई थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, वहां कुछ ही देर बाद डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार अभिषेक भामरे पिता कृपाराम भामरे (21) मल्टी शाहपुरा में रहता था और प्राइवेट काम करता था। कल रात वह शाहपुरा स्थित भीमराव अंबेडकर कम्युनिटी हॉल में शादी की पार्टी में गया था। कम्युनिटी हॉल में रात करीब 11 बजे के आसपास अभिषेक डांस कर रहा था। इस दौरान उसके साथ छोटा जाडू, शिवा बोना, साहिल सेंडा और साहिल लाला भी डांस कर रहे थे। चारों अभिषेक से परिचित है।

अभिषेक के पास कछुए वाली अंगूठी थी। डांस करते समय वह अंगूठी पहने हुए था और यहीं अंगूठी डांस कर रहे छोटा जाडू की टी शर्ट में फंस गई। टी शर्ट में अंगूठी फंसने से छोटा जाडू और अभिषेक की कहासुनी होने लगी। कुछ लोगों ने समझाइश दी और कहासुनी बंद हो गई।

मल्टी के पास घेरा

रात करीब दो बजे के आसपास शादी का कार्यक्रम खत्म हुआ और अभिषेक भामरे अपने निवास मल्टी शाहपुरा के लिए निकल गया। उसके साथ पड़ोस में रहने वाला 15 साल का अखिलेश गावंडे भी था। दोनो मल्टी के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से आरोपी छोटा जाडू, शिवा बोना, साहिला सेंडा और साहिल लाला पहुंच गए और गालीगलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इसी बीच छोटा जाडू ने चाकू निकाला और अभिषेक पर हमला कर दिया। चाकू से अभिषेक ने बचने का प्रयाास किया था, लेकिन चाकू उसकी जांघ में लग गया।

जांघ की नस कटने से मौत

जाघ में चाकू लगने से अभिषेक जमीन पर गिर गया था। उसे गिरता देख आरोपी मौके से भाग निकले। इस मारपीट और चाकू बाजी में अखिलेश को भी चाकू से मामूली चोट आई थी। मल्टी में शोर शराब सुनकर कुछ लोग बाहर आए और अभिषेक समेत अखिलेश को लेकर जय प्रकाश अस्पताल पहुंचे, वहां कुछ देर बाद ही अभिषेक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि चाकू लगने से अभिषेक की जांच की नस कट गई थी।

युवक की हत्या करने वाले 11 आरोपियों को आजीवन कारावास

- पुरानी रंजिश के चलते रास्ते में रोककर चाकू से किया हमला
- आरोपियों पर न्यायालय ने 1-1 हजार का जुर्माना भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

18वे जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सचिन कुमार घोष की अदालत ने एक युवक की हत्या करने वाले 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपियों ने पुरानी रंजिस के चलते मृतक और उसके साथियों पर रास्ता रोककर हमला किया था, जिसमें घायल होने के बाद युवक की मौत हो गई थी। न्यायालय ने आरोपियों पर एक-एक हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक राम कुमार खत्री द्वारा पैरवी की गई है। लोक अभियोजक के अनुसार, शाहजहांनाबाद थाने में दर्ज प्रकरण में मृतक अजय चोटी की हत्या का दोषी पाते हुए न्यायालय ने आरोपी अजय भूरा, सागर मीणा, रूपेश विछैले, संदीप रवि जिक्सर, दीपक, खुजाल उर्फ अरूण सिंह, रॉकी, चिन्ना उर्फ कालू, यश, अनिल गौतेले को उक्त सजा सुनाई है। लोक अभियोजक के अनुसार, घटना 14 अगस्त 2020 की है। रात करीब 10 बजे फरियादी अमित कनाड़े अपने भाई अजय कनाडे उर्फ अजय चोटी एवं प्रकाश कनाडे के साथ एक्सिस गाड़ी से घर से थाना शाहजहानाबाद तरफ जा रहे थे, तभी शाहजहानाबाद नाबाद पुलिस शौर्य परस गेट के सामने रोड पर बिजली के खंबे के पास 3 मोटर साईकल से आरोपियों ने साथ मिलकर फरियादी व उसके भाई अजय एवं प्रकाश को घेर लिया। भूरा ने अजय से कहा की जेल में तुने चप्पल मारी थी, आज तुझे निपटा देते है। जिसके बाद आरोपियों ने चाकूओं से हमला कर दिया। अजय का गर्दन में छाती में व शरीर में कई जगह चोटें लगने से काफी खून बह गया था। अजय चोटी को एलबी एस अस्पताल एवं हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया था।

किसान को झांसा देकर दो लाख में बेचा नकली सोना, *जालसाज बोले-* खुदाई में हाथ लगा था

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा पुलिस ने बैरसिया के किसान की शिकायत पर जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपियों किसान को नकली सोना बेचने के नाम पर दो लाख रुपए की चपत लगा दी। एक जालसाज ने कहा था कि उक्त सोना खुदाई करते समय उसके हाथ लगा था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मूरतसिंह राजपूत (50) ग्राम भैंसखेड़ा, तहसील बैरसिया में रहते हैं और किसानी करते हैं। गत वर्ष 3 अक्टूबर 2023 को वह हमीदिया अस्पताल में भर्ती अपने साढूभाई मुकेश से मिलने पहुंचे। दोपहर करीब 2 बजे हमीदिया अस्पताल परिसर में उन्हें एक युवक मिला। उसने अपना नाम राजू बताया। राजू ने कहा कि वह परिवार के साथ रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर मजदूरी करता है। खुदाई करते समय उसे सोने की चेन मिली है। चेन उसके काम की नहीं है और उसे बेचना है। बातचीत करते समय राजू के साथ दो युवक और एक महिला भी पहुंची थी।

चेन की दो गुरिया तोड़कर दी

राजू ने चेन से दो गुरिया तोड़कर मूरत सिंह को दी थी। कहा इसे ज्वैलर्स के पास लेकर चेक करा लो। मूरत सिंह ने सोने की गुरिया चेक कराई तो वह असली निकली। मूरत सिंह ने पूरी चेक की कीमत पूछी तो राजू ने 4 लाख रुपए बताई। बातचीत में दोनों के बीच दो लाख रुपए में चेन का सौदा हो गया। 5 अक्टूबर 2023 को राजू ने उन्हें चेतक ब्रिज पुलिया पर बुलाया और चेन थमाकर दो लाख रुपए ले लिए। अगले ही दिन मूरत चेन लेकर ज्वैलर्स के पास पहुंचे और चेक कराई तो पता चला कि वह नकली है।

निजी अस्पताल की स्वास्थ्यकर्मी से सहकर्मी ने किया बलात्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में निजी अस्पताल में नौकरी करने वाली महिला से सहकर्मी द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी शादी का जांसा देकर करीब डेढ़ साल से उसका दैहिक शोषण कर रहा था। अब महिला ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी शादी से इंकार कर रहा है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बलात्कार और दैहिक शोषण का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार सब्बन चौराहे के पास रहने वाली 35 वर्षीय महिला निजी अस्पताल में नौकरी करती है। वह अपने पति को 10 साल पहले छोड़ चुकी है। उसकी एक बेटी है। जिस अस्पताल में वह काम करती है उसी अस्पताल में हेमंत कुशवाह काम करता है। साथ में काम करने के दौरान दोनों की दोस्ती हो गई। हेमंत उसे शादी का झांसा दिया। इसके बाद उससे शारीरिक संबंध बनाए। अब जब महिला ने उस पर दबाव बनाया तो वह मुकर गया। उसने कहा कि उसके मां-पिता शादी करने की इजाजत नहीं दे रहे हैं।

सड़क पर घूमने निकले कारोबारी को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागड़ थाना क्षेत्र स्थित शिखर होटल के सामने बुधवार देर रात सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। एंबुलेंस की मदद से कारोबारी को हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार शिखर होटल के पास गोयल अपार्टमेंट निवासी भोजराज सदारंगानी (55) कारोबारी थे। वह यहां अपनी पत्नी के साथ रहते थे। उनका इकलौता बेटा दक्षिण अफ्रिका में है। रोजाना की तरह बुधवार रात भोजराज वॉक पर गए थे। लौटते समय शिखर होटल के सामने ही सड़क पार करते समय बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक फरार हो गया। वहां मौजूद लोगों ने एंबुलेंस को सूचना देकर उन्हें अस्पताल रवाना किया था। पुलिस का कहना है कि मृतक के बेटे को हादसे की सूचना दे दी गई है। उसके भोपाल पहुंचने के बाद पीएम कराया जाएगा।

गांजा तस्कर से पांच किलो गांजा जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो। छोला मंदिर पुलिस ने पातरा पुल, खेजड़ा से गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 5 किलो दो सौ ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत एक लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि खेजड़ा में पुल पातरा के पास एक युवक गांजे की सप्लाई देने पहुंचने वाला है। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और रात करीब बारह बजे के आसपास एक संदिग्ध को पुल पातरा के पास रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी लेने पर उसके पास से पांच किलो दो सौ ग्राम गांजा मिला। आरोपी ने अपना नाम कुंदन गौड़ पिता रामू गौड़ (21) निवासी ग्राम टपरा पठारी, जिला रायसेन बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बारहवीं के राजनीति शास्त्र के पेपर में बने 5 नकल प्रकरण

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं जारी हैं। गुरुवार को कक्षा बारहवीं का राजनीति शास्त्र का पेपर हुआ। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे के मध्य शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई। इस दौरान प्रदेशभर में 5 नकल प्रकरण निरीक्षण दलों द्वारा बनाए गए। इसमें सागर में 1, रीवा में 3, उमरिया में 1 नकल प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं अब 2 मार्च शनिवार को कक्षा बारहवीं का भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन एंड हॉर्टिकल्चर, स्टिल लाईफ एण्ड डिजाइन, शरीर रचना क्रिया-विज्ञान एवं स्वास्थ्य का पेपर होगा।

मेट्रो एंकर मजदूरी करते हैं पिता, जोड़ रहे थे पैसे...

लैपटॉप की जिद कर रहे कॉलेज के छात्र ने जहर खाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी बजाप्ता में कॉलेज के छात्र ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। परिजन से पूछताछ में पता चला कि उसे लैपटाप चाहिए था और परिजन के पास लैपटाप के लिए पैसे नहीं थे। अनुमान है कि लैपटॉप नहीं मिलने से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है। एएसआई विनित द्विवेदी ने बताया कि अमन पासवान पिता राजू पासवान (22) बरखेड़ी बजाप्ता, थाना रातीबड़ में रहता था। अमन कॉलेज में पड़ता था। बुधवार सुबह करीब दस बजे के आसपास उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। उल्टियां करने पर परिजन उसे रातीबड़ के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह अमन की मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजन से पूछताछ करने की कोशिश की, लेकिन परिजन दुखी थे और कुछ भी कह नहीं पा रहे थे। पिता ने बस इतना ही बताया कि वे मजूदरी करते हैं। बेटे अमन को कुछ दिन से लैपटाप की जरूरत थी। पिता ने उसे कहा कि अभी पैसों की व्यवस्था नहीं है। कुछ दिन में पैसे जोड़कर वह लैपटाप दिला देंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022